प्रगति दीदी के नुस्खे

स्वच्छता कर्मचारियों की आर्थिक उन्नति

UMC URBAN MANAGEMENT CENTRE
Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India
DAY-NULM
Deendayal Antyodaya Yojana
National Urban Livelihoods Mission
150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

प्रगति दीदी के नुस्खे

ट्रेनर्स मैनुअल

ISBN 978-81-935902-2-5

अर्बनमैनेजमेंट सेंटर
अहमदाबाद
द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया

प्रस्तावना

जो समूह जोखमी व्यवसाय से जुड़े हुए हैं-जैसे कि सेनिटेशन या रिक्शा ढोना, उन्हें DAY-NULM अंतर्गत कॉमन इंटरेस्ट ग्रुप्स में गठित किया जा सकता है।

इन समूहों के पास जो भी जमा पूँजी होती है, उसका बचत किया जाना एंव सावधानी से खर्च बहुत महत्वपूर्ण है, ताकि वे अपनी रोज़मर्रा की जरूरतों को पूरा कर सकें, और अचानक आ पड़ने वाली आपात स्थितियों से निपट सकें।

इस वित्तीय साक्षरता का उद्देश्य है, इन समूहों को सिखाना है कि पैसे को कैसे समजदारी से मैनेज किया जाए। यह उन्हें कमाई, खर्च, बजट बनाने, बचत करने और उधार लेने से संबंधित बुनियादी अवधारणा सिखाता है। इसका फायदा यह है कि जब लोग रुपए-पैसे से संबंधित फैसले समझदारी और दूरदर्शिता से लेना सीख जाते हैं, तो वे अपने लक्ष्यों की योजना भी बना सकते हैं और उन्हें हासिल भी कर सकते हैं। इसके अलावा, एक बार इस वित्तीय साक्षरता कौशल को हासिल कर लेने के बाद कोई इसे उनसे छीन नहीं सकता। एक बार सीख लेने के बाद वित्तीय साक्षरता का कोर्स जिंदगी भर उन्हें फायदा पहुंचाता है।

‘"प्रगति दीदी के नुस्खे,’" एक वित्तीय साक्षरता ट्रेनिंग मॉड्यूल है, जो सफाई कर्मचारियों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है, ताकि वे मॉड्यूल के पात्रों से खुद को जोड़कर देख सकें। यह सरकारी योजनाओं के साथ-साथ डिजिटल फ़ाइनेंस की मुख्य बातों के बारे में भी उन्हें जागरूक बनाता है।

मॉड्यूल को हिंदी और अंग्रेजी में डिज़ाइन किया गया है। विज़ुअल एड टूलकिट के साथ एक ट्रेनर्स मैनुअल दिया गया है। मॉड्यूल DAY-NULM MIS और ऑनलाइन ट्रेनिंग प्लेटफ़ॉर्म U-Learn दोनों पर उपलब्ध होगा। मैं DAY-NULM मिशन के अधिकारियों को इस मॉड्यूल को अपने राज्य की भाषा में भाषांतरित कर, उसका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करूंगा।

मुझे आशा है कि DAY-NULM अधिकारी, इस ट्रेनिंग पैकेज का उपयोग कर, सफाई कर्मचारियों के जीवन को बेहतर बनाने में प्रयत्नसर रहेंगे।

मैं अर्बन मैनेजमेंट सेंटर (UMC) की DAY-NULM तकनीकी सहायता इकाई (TSU) को इस वित्तीय शिक्षा ट्रेनिंग पैकेज को डिजाइन और विकसित करने के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूँ।

संजय कुमार

संयुक्त सचिव, DAY-NULM

15 मार्च, 2019

विषय सूची

1 पैसे की भाषा को समझना 1

1. सत्र का परिचय 4
2. जीवन की घटनायें और खर्च 10
3. अलग-अलग उम्र में आमदनी 12
4. कैशफ्लो 16
5. बेहतर कैशफ्लो 18
6. खर्च कम करें 20
7. आमदनी बढ़ायें 24

2 समृद्धि की ओर - मेरे सपनों का जीवन 25

1. सत्र का परिचय 28
2. महीने का बजट बनाना 32
3. अपनी बचत को निवेश करें 36
4. सेफडिपॉजिट में निवेश करें 40
5. अपने वित्तीय लक्ष्य तक पहुँचना 44
6. काम धंधा करने के लिए पैसा कैसे जुटाएं 46
7. उधार के स्रोत 48
8. DAY-NULM SHG (स्क्रीन किए जाने वाले U-Learn ट्यूटोरियल) 52
9. कौशल ट्रेनिंग और बिजनेस 58
10. किफायती कर्ज़ 62

3 सरकारी अधिकारों व फ़ायदों को जानें 65

1. सत्र का परिचय 68
2. सुविधाओं का अकलमंदी से फायदा उठाएं 70
3. सरकारी योजनाओं के अधिकार 76
4. सुरक्षा योजनाओं का विवरण? 80
5. कल्याण योजनाएं 86
6. बिज़नेस लोन 98
7. सफाई कर्मचारियों के लिए लोन 102

4 मनीस्मार्ट बनना 109

1. सत्र का परिचय 112
2. पर्सनल रिकॉर्ड 114
3. अच्छी क्रेडिट हिस्ट्री बनाकर रखें 116
4. डिजिटल फ़ाइनेंस 118
5. भीम और डिजिटल सुरक्षा 122
6. प्रगति दीदी के नुस्खों को दोहराना 128

1 पैसे को समझना

समय

1.5 घंटे

प्रस्तावित बैच संख्या

30

सामग्री

FLM पैनल
ट्रांसपेरेंसी मार्कर
मास्किंग टेप
फ्लिप चार्ट पेपर

उद्देश्य

सत्र के अंत तक हिस्सेदारों को निम्नलिखित बातें समझने का सामर्थ्य होना चाहिये:

- **जीवन चक्र के दौरान पैसे की जरूरतें।**
- **जीवन चक्र के विभिन्न चरणों के दौरान आमदनी में बदलाव और पैसे की जरूरतों के अनुसार प्लानिंग।**
- **एक परिवार का मासिक कैशफ्लो और अपनी आमदनी के साथ इसे मैनेज करना।**
- **खर्च कम करने और आमदनी बढ़ाने की डबल पॉलिसी अपनाकर अधिक पैसा बचाने के तरीके।**

चरण

1. **सत्र का परिचय** 4
2. **जीवन की घटनायें और खर्च** 10
3. **अलग-अलग उम्र में आमदनी** 12
4. **कैशफ्लो** 16
5. **बेहतर कैशफ्लो** 18
6. **खर्च घटाएं** 20
7. **आमदनी बढ़ाएं** 24

मॉड्यूल 1

पैसे की भाषा को समझना

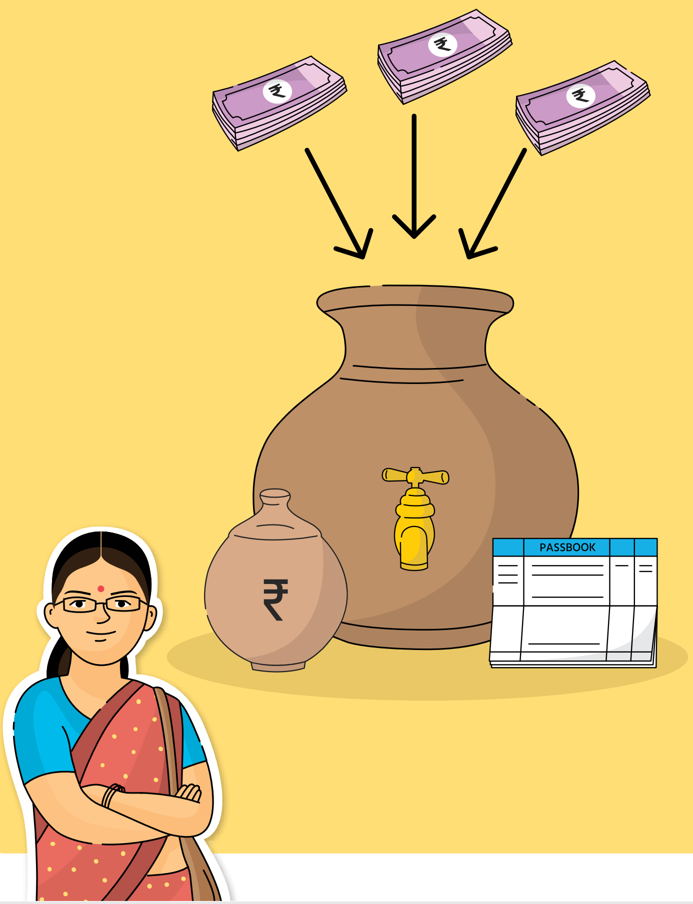

1

चरण 1 सत्र का परिचय

20 मि.

बातचीत

वित्तीय साक्षरता सीखने के सत्र में आपका स्वागत है। अपना परिचय देने और अनौपचारिक प्रश्न पूछने में 5 मिनट बिताएँ ताकि सीखने वाले आपको जान लें और सहज महसूस कर पाएँ। ग्रुप के लोगों से सवाल पूछें और उन्हें हाथ उठाकर जवाब देने को कहें:

- 30 वर्ष से कम उम्र के कितने लोग हैं?
- 30-40 के बीच कितने?
- 40-50 साल के बीच कितने?
- 50-60 साल के बीच कितने?
- कितने शादीशुदा हैं?
- कितनों के बच्चे हैं?
- कितने लोगों के पास अपना घर है?
- कितनों के पासकिराए का घर है?
- आपको वित्तीय साक्षरता की जरूरतक्यों है,तीन कारण बताएं।

गतिविधि

उन्हें 5 के समूहों में बाँट दें और हर समूह का एक नेता बनाएँ,जो उन्हें पढ़ने / लिखने में मदद कर सकता हो।

बताएं

लोगों के पास जो भी थोड़ा-बहुत पैसा होता है, उसे सावधानी से खर्च किया जाना और बचाया जाना बहुत ज़रूरी है, जिससे वे अपनी रोज़मर्रा की जरूरतों को पूरा कर सकें, अचानक आने वाली आपात स्थितियों से निपट सकें और जब भी कोई मौका सामने आए, तो उसका लाभ उठा सकें।

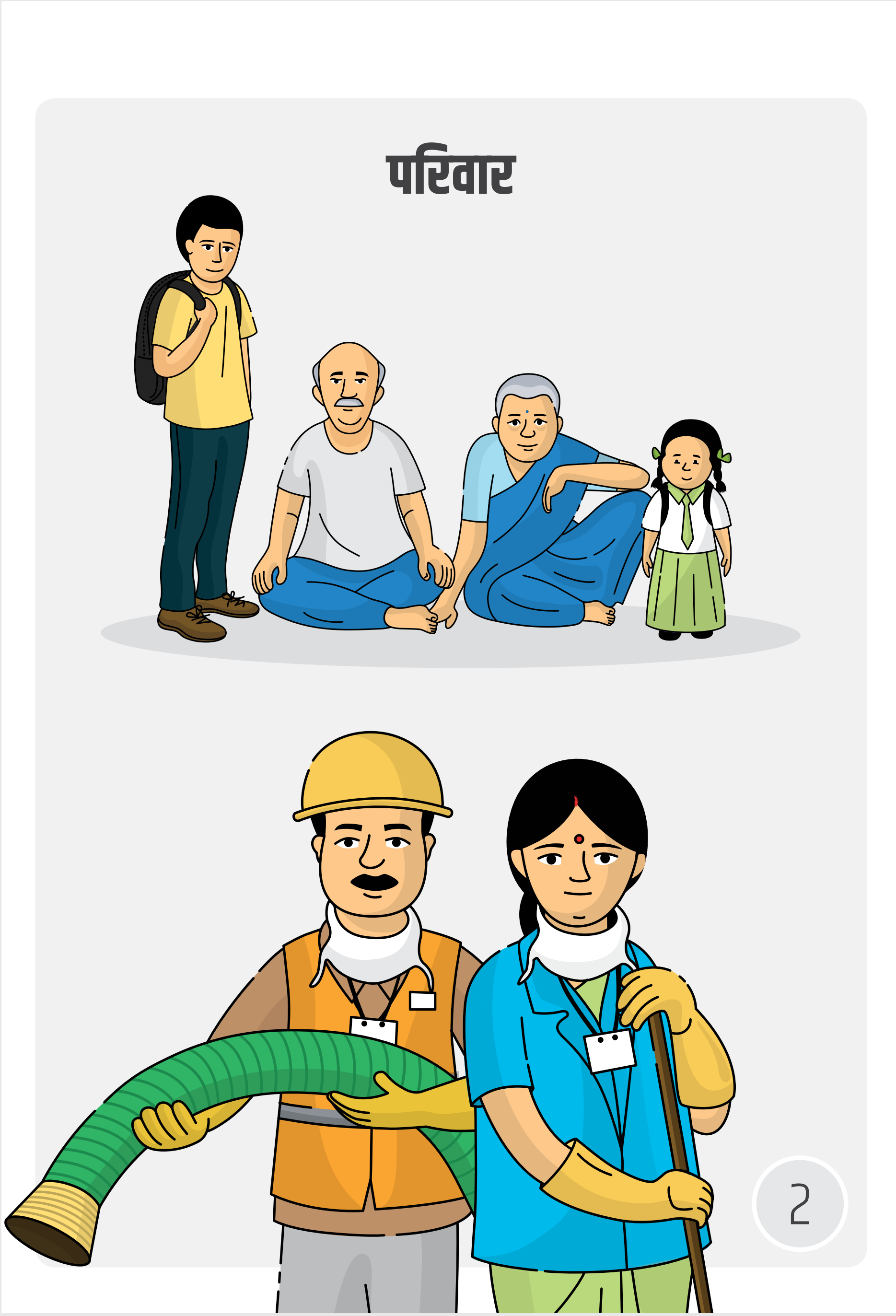

इस वित्तीय साक्षरता ट्रेनिंग से आप, पैसे के बारे में और इसे अकलमंदी से कैसे मैनेज करें, ये सब अच्छी तरह समझ पाएंगे। हम ये भी देखेंगे कि वित्तीय तरक्की के रास्ते पर पहुंचने के लिए हम और ज़्यादा ज्ञान कैसे पा सकते हैं। जैसा कि बहुत से लोग जानते ही होंगे, आय संबंधी मुद्दे तनाव, आपसी रिश्तों में खटास और सेहत के लिए हानिकारक होते हैं, जो हमारी काम करने की क्षमता को कम कर देते हैं। वित्तीय निरक्षरता के ये सभी लक्षण हमारी भावनात्मक हालत पर असर डालते हैं और हमारे सबसे प्यारे और करीबी लोगों को प्रभावित कर सकते हैं। वित्तीय साक्षरता ट्रेनिंग किसी भी उम्र में फायदेमंद है; हालाँकि, जितनी जल्दी आप पैसे का बुनियादी मैनेजमेंट सीख लेते हैं, आपको उतना ही ज़्यादा फायदा होता है।

प्रगति दीदी से परिचय

नोट

प्रगति दीदी नगर पालिका कार्यालय की एक अनुभवी कम्युनिटी ऑर्गनाइज़र हैं। वे स्मार्ट, मजबूत और दुनियादारी में अनुभवी हैं। उन्होंने वित्तीय साक्षरता पर कई स्लम समुदायों को ट्रेनिंग दी है। पैसे के साथ हमारा संबंध सरल होते हुए भी जटिल होता है। प्रगति दीदी का स्पष्ट नज़रिया गरीब पुरुषों व औरतों को इसे आसानी से समझने में मदद करता है।

बताएं

"प्रगति दीदी हमारी अनुभवी कम्युनिटी ऑर्गनाइज़र हैं। उन्होंने कुछ नुस्खे तैयार किए हैं, जिनका पालन करने पर गरीबी को दूर किया जा सकता है। मैं आपको ये टिप्स सिखाने जा रही हूँ। हम 4 दिनों में इस मॉड्यूल को समझेंगे, जिसमें हर सत्र 1.5 घंटे का होगा। मैं हर रोज़ प्रगति दीदी के नए नुस्खे आपको बताऊँगी, लेकिन आपको सब्र से काम लेते हुए नियमित रूप से इसमें भाग लेना होगा।"

परिवार का परिचय

नोट

पूछें कि आप में से कितने लोग इन नुस्खों को जानने में रुचि रखते हैं? (उन्हें हाथ उठाकर जवाब देने को कहें)

परिवार

सबसे पहले, भाग लेने वालों को परिवार का परिचय दें, आपको इन नामों को तैयार रखना है (नाम लोकल एरिया / राज्य के अनुसार रखे जाने चाहिए, जिनसे वे लोग खुद को जोड़कर देख सकें)। उन्हें बताएं कि पति-पत्नी दोनों ही कड़ी मेहनत करने वाले लोग हैं, लेकिन दो जून की रोटी के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ता है। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे अच्छा और सुखदायी जीवन जीएँ।

बताएं

उन्हें पैनल 2- **"परिवार"**- दिखाएँ।

"ये 6 लोगों का एक परिवार है। सीवरेज ठेकेदार........, उसकी पत्नी..... जो नगरपालिका में एक सफाई कर्मचारी है। वह शहर में सड़कों की सफाई करती है। उनके दो बच्चे हैं; 10 साल का लड़का और 5 साल की लड़की। उनके माता-पिता .... और .... भी सफ़ाई कर्मचारी का काम करते रहे हैं, लेकिन अब वे बूढ़े हो गए हैं और काम नहीं कर सकते।"

अगला →
चरण 2: जीवन की घटनायें और खर्च

जीवन में होने वाली घटनायें और खर्च

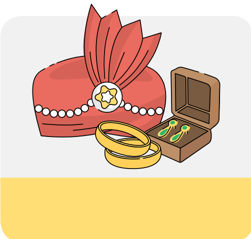

विवाह

बच्चे का जन्म

शिक्षा

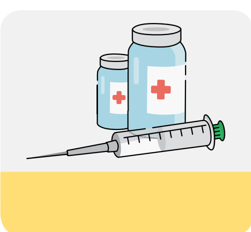

दवाई

कपड़े

त्यौहार

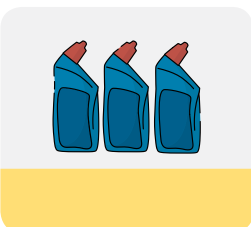

व्यापार में पैसा लगाना

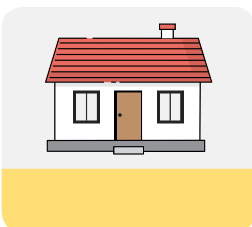

घर खरीदना

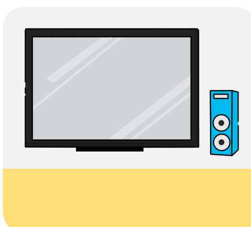

संपत्तियाँ

बुढ़ापा

घर की मरम्मत

मृत्यु

चरण 2 जीवन की घटनायें और खर्च

10 मि.

बातचीत

क्या आप बता सकते हैं कि जन्म से लेकर मृत्यु तक किसी इंसान की जिंदगी में कौन से महत्वपूर्ण पड़ाव आते हैं और हर पड़ाव के दौरान कितने धन की जरूरत होती है?

इन्हें एक-एक करके फ्लिप चार्ट पर लिखें।

"जीवन की घटनायें और खर्च" पैनल दिखाएं

सार पेश करें

कोई भी व्यक्ति जीवन में जिन अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है, उन्हें जब एक साथ देखा जाता है, तो यह उस इंसान का जीवन चक्र कहलाता है।

हमारे जीवन में कई अलग-अलग घटनाएं होती हैं, जिनके लिए हमें धन की जरूरत होती है, जैसे कि जचगी / बच्चा पैदा होना, रोटी, कपड़ा और मकान, बच्चों की पढ़ाई, काम-धंधा शुरू करने के लिए निवेश, घर खरीदना, दुर्घटना, बाढ़, त्यौहार, परिवार में विवाह या दूसरे मंगल-कार्य, ऊंची शिक्षा, अस्पताल में भर्ती, तीर्थयात्रा, बच्चों की शादी और मृत्यु। हमें जीवन में इन सब घटनाओं के लिए अलग-अलग मात्रा में धन की जरूरत होती है। इन घटनाओं और खर्चों को देखते हुए सीमित आमदनी वाले व्यक्ति के लिए यह काफी डरावना हो सकता है। क्या इन सभी खर्चों के लिए इंतजाम किया जा सकता है? क्या इसका कोई हल है? भाग लेने वालों को कुछ जवाब सोचने और बताने का मौका दें।

अलग-अलग उम्र में आय

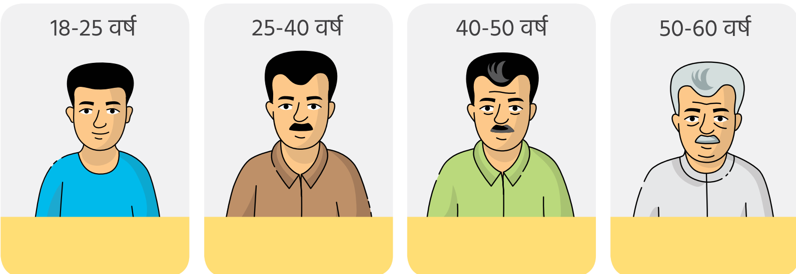

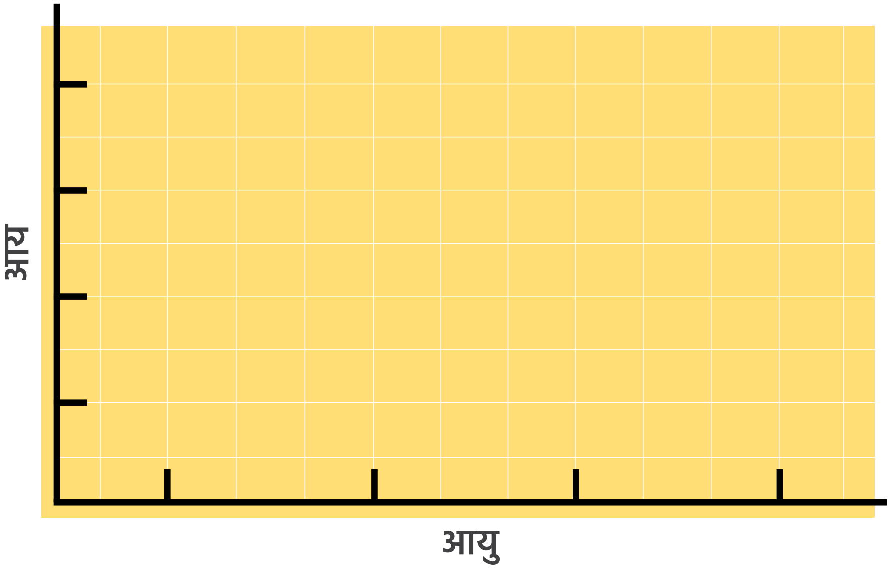

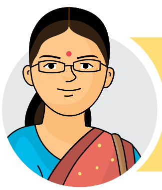

पूरे जीवन के लिए अपने आय
की योजना बनाएं

4

चरण 3 अलग-अलग उम्र में आमदनी

10 मि.

नोट

अब हम पैसा कमाने की अपनी क्षमता को देखेंगे।

ग्रुप से दो वालंटियर चुनें और उन्हें ये बताने को कहें कि जीवन के अलग-अलग चरणों के दौरान उनकी आमदनी में कैसे और क्या बदलाव आएगा।

गतिविधि

उन दो वालंटियरों का आमदनी चक्र फ्लिप चार्ट पर लिखें।

नोट

उन्हें यह समझने में मदद करें कि छोटी उम्र से मध्यम उम्र तक पहले आमदनी बढ़ेगी। लेकिन जैसे-जैसे वे बुढ़ापे की ओर बढ़ेंगे, यह वहीं ठहर जाएगी और आगे बढ़ना बंद कर देगी।

आमदनी के चक्र को अच्छी तरह तब समझा जा सकता है जब अलग-अलग उमर में किसी व्यक्ति की आमदनी का एक नोट बनाया जाए, जैसा कि नीचे दिए गए ग्राफ में दिखाया गया है।

'अलग-अलग उम्र में आमदनी' पैनल उन्हें दिखाएं।

घंटी के आकार का यह कर्व बनाएं जो 18 से 65 वर्ष की उम्र के बीच आमदनी को कम से ज्यादा होते हुए और ज्यादा से कम होते हुए दिखाता है और 40 से 45 वर्ष की उम्र पर यह सबसे ऊंचा होता है।

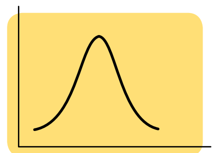

बताएं

इन सब बातों से यह साफ हो जाता है कि एक व्यक्ति 18 से 40 वर्ष की उम्र के बीच सबसे अधिक कमाई कर सकता है, जब वह शारीरिक तौर पर पूरी तरह फिट होता है।

अब हमारे दिमाग में जो प्रश्न उठते हैं:

- **क्या खर्चे हमेशा आमदनी से ज्यादा होंगे?**
- **क्या मैं कभी अपने कर्ज़ चुकाने में सफल हो सकूंगा?**
- **क्या मैं अपने गुजारे के लिए पर्याप्त धन कमा सकूंगा?**
- **जिंदगी में जरूरत पड़ने पर अगर मैं सही समय पर खर्च पूरे करने लायक पैसा न कमा सका तो क्या होगा?**
- **फिलहाल और भविष्य में आने वाले जरूरी खर्चों के लिए मैं अपनी आमदनी और खर्चों को कैसे बैलेंस करूँ?**
- **अगर जरूरत पड़ने पर मैं जरूरी खर्चों को पूरा नहीं कर पाया तो क्या होगा? क्या मेरे घर वाले मुझे निकम्मा समझेंगे या सामाजिक रूप से मेरा बहिष्कार कर दिया जाएगा?**
- **क्या कोई ऐसा रास्ता है कि जिससे मैं इन पैसे से जुड़ी परेशानियों से अच्छी तरह निपट सकूं?**

सार पेश करें

हां, यह सही है कि वक्त गुजरने के साथ साथ-साथ हमें हमेशा पैसे की जरूरत बढ़ती होती है।

हां, यह सही है कि अगर हम अपने पैसे कोअकलमंदी से मैनेज नहीं करेंगे तो आगे आने वाले समय में हमारी आमदनी बढ़ते खर्चों को पूरा नहीं कर पाएगी।

हां, अपने पैसे को समझदारी से मैनेज करने का एक तरीका है।

तो, इस बारे में प्रगति दीदी की यह सलाह है: क्योंकि हमारी आमदनी हर समय एक जैसी नहीं रहती, इसलिए हमें जिंदगी के लिए पैसे की प्लानिंग करने की जरूरत होती है।

अगला →
चरण 4: कैशफ्लो

आमदनी के णरिया और खर्च के कारण

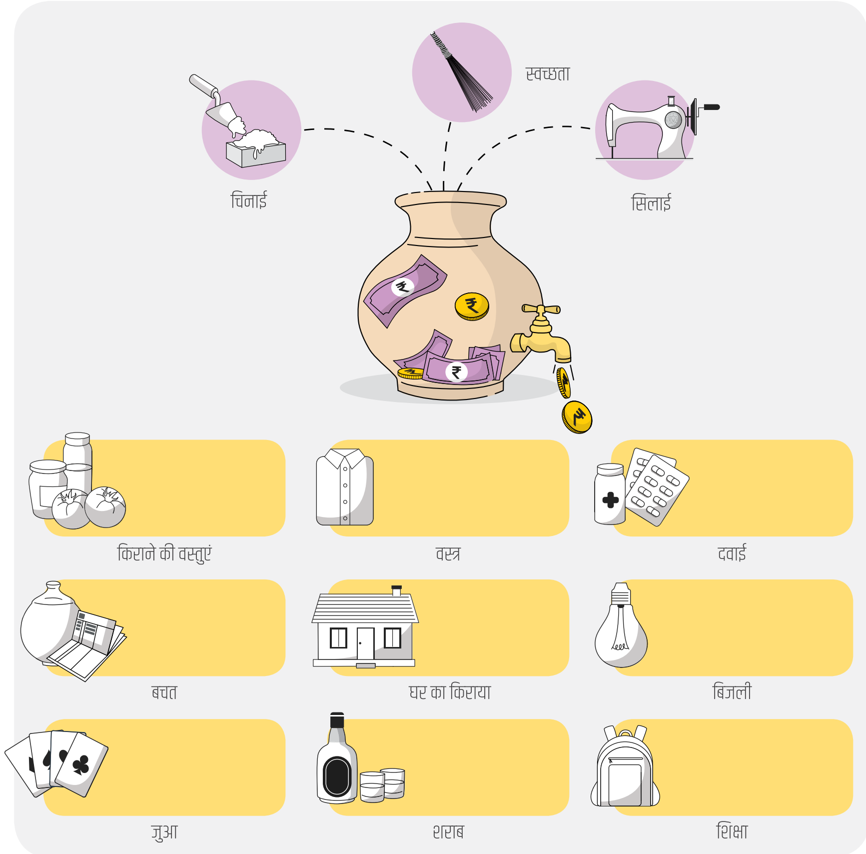

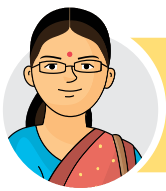

हम अपने खर्चों से अधिक कमाते हैं या कम?

5

चरण 4 कैशफ्लो

15 मि.

गतिविधि

लेकिन हम पैसे की प्लानिंग कैसे करें?

हम कुछ ऐसे खर्चों को देखते हैं जिन पर हमें बार-बार खर्च करना होता है।

अब एक गतिविधि के लिए किन्ही दो वालंटियरों को हाथ उठाने को कहें। उनसे पूछें कि उनके परिवार में पिछले महीने क्या-क्या खर्चे हुए। जैसे-जैसे वे बताते जाएं, इसे फ्लिप चार्ट पर लिखें। उनसे उनकी मासिक आमदनी पूछें और खर्चों का हिसाब लगाएं। इन उदाहरणों में अब आप देख पाएंगे कि पैसा बचता है या कम पड़ता है।

सार पेश करें

प्रगति दीदी कहती हैं कि हम अमीर हों या गरीब, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमें यह देखने की जरूरत होती है कि **हम जितना खर्च करते हैं, उससे कम कमाते हैं या ज्यादा** (इस पॉइंट पर जोर दें)

आमदनी और खर्च

कम आय अधिक व्यय

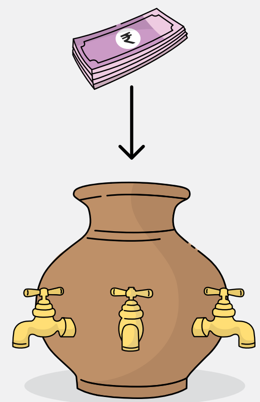

घाटा

अधिक आय कम व्यय

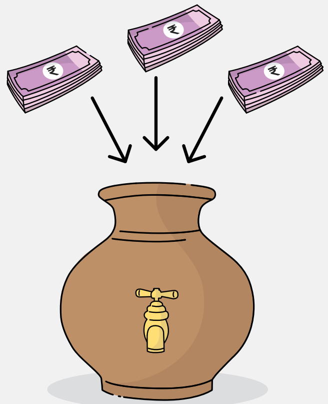

बचत

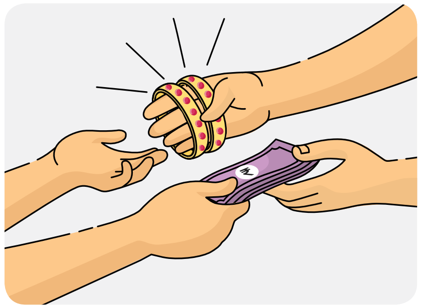

खर्चों को पूरा करने के लिए ज़ेवर बेचना

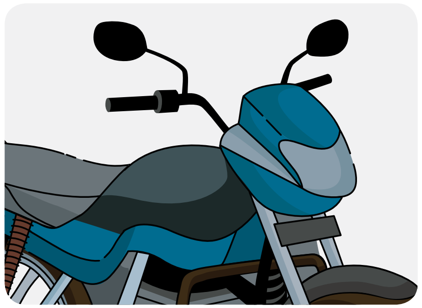

बचत से नई मोटरसाइकिल खरीदना

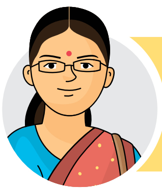

अपने सामर्थ्य अनुसार जीवन बिताएं

6

चरण 5 बेहतर कैशफ्लो

10 मि.

बातचीत

अब या तो आमदनी बढ़ाने या खर्चे घटाने का आईडिया पेश करें। नीचे दिया गया चित्र बनाएं

आमदनी में कमी (गरीबी का दुष्चक्र)	न बचत न खर्च में कमी (कोई बचत नही)	कैश की अधिकता (बचत)
बढ़ती उधारी जरूरतें पूरी न हो पाना तनाव और परेशानी	आपात स्थिति के लिए कोई सुरक्षा नहीं कमजोर	आपात स्थिति के लिए सुरक्षा बच्चों के लिए बेहतर पढ़ाई और बेहतर ज़िंदगी पैसे को निवेश कर सकते और बढ़ा सकते हैं उपयोगी संपत्तियों की खरीद

भाग लेने वालों से कहें कि वे अपने अपने निजी या असली वित्तीय हालत के बारे में बताएं। इस तरह के उदाहरण दें - शायद आपका बेटा आपसे एक बाइक या मोबाइल खरीदने के लिए जिद कर रहा है। लेकिन आपके पास इसके लिए पैसा नहीं है, तो आप क्या करेंगे? या फिर, सब लोग दिवाली के लिए नई साड़ी खरीद रहे हैं, (एक लोकल त्योहार चुनें, जो उनके लिए सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण रखता हो) लेकिन आप यह अफोर्ड नहीं कर सकते। इन खर्चों को पूरा करने के लिए पैसा उधार लेने के बारे में चर्चा करें। इस बात पर समाप्त करें कि चित्र के अनुसार तीसरी परिस्थिति, जहां आपके पास एक्स्ट्रा पैसा होता है, वही सबसे अच्छी स्थिति है।

उन्हें **'बेहतर कैशफ्लो'** पैनल दिखाएं।

सार पेश करें

प्रगति दीदी की सलाह है कि **हमें जितनी चादर हो, उतने ही पैर फैलाने चाहियें।**

चरण 6 खर्च कम करें

10 मि.

बातचीत

आवश्यकक एवं अनावश्यक खर्चों का विचार उनके सामने रखें। सभी भाग लेने वालों से इन चीजों की लिस्ट बनाने के लिए कहें।

इन्हें फ्लिप चार्ट पर लिखें।

बताएं

जरूरतें

ये वो खर्चे हैं जो हमें हर हाल में पूरे करने होते हैं,चाहे हमारी आमदनी कितनी भी हो। हम इन खर्चों से बच नहीं सकते।ये जरूरी खर्चे हमें हर हाल में करने ही होते हैं चाहे हम अमीर हों या गरीब।

गैरजरूरी खर्चे

ये वो खर्चे हैं जिन्हें हम अपनी आमदनी के भीतर अफोर्ड नहीं कर सकते। नीचे दी गई सारणी की चीजों की लिस्ट बनाएं।

उन्हें **'खर्च कम करें'** पैनल दिखाएं।

जरूरी खर्चे	**गैरजरूरी खर्चे**
खाना	शराब, तंबाकू
किराया	होटल में खाना
पढ़ाई	समाज के लोगों को खुश करने के लिए सामाजिक उत्सवों पर किया गया खर्च
डॉक्टरी खर्चे	उधार लिए गए रुपए का ब्याज चुकाना
जरूरी चीजों के बिलों का भुगतान	बच्चों की इच्छाओं को पूरा करना

यह बहुत जरूरी है कि इंसान आवश्यक और अनावश्यक खर्चों के बीच के अंतर को समझे।

सार पेश करें

प्रगति दीदी कहती हैं कि आर्थिक रूप से तरक्की करने के लिए पहला नियम है अनावश्यक खर्चों को कम करके हम अपनी बचत को बढ़ाएं और महत्वहीन खर्चों से बचें।

'खर्च कम करें' पैनल दिखाएं

अगला →
चरण 7: आमदनी बढ़ाएं

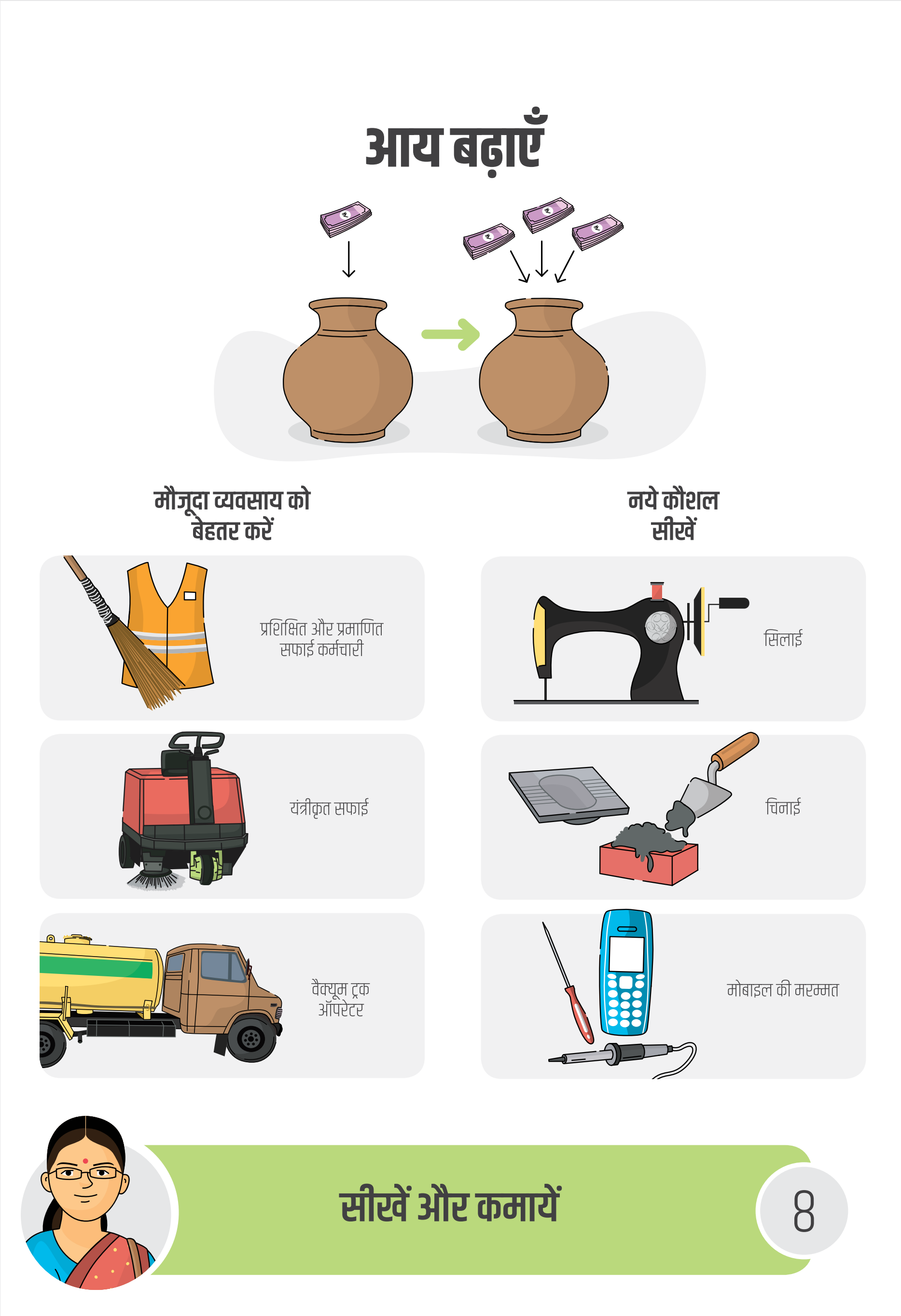

चरण 7 आमदनी बढ़ायें

15 मि.

बातचीत

क्या बचत के अलावा आमदनी बढ़ाने का कोई और भी तरीका है?

(तरीके उन्हें सुझाने दें)

उन्हें यह समझने में मदद करें कि इसका दूसरा तरीका है - ज्यादा पैसे कमाना।

ऐसे कौन से बिजनेस या नए काम है जो आप कर सकते हैं?

आपकी फील्ड में या उससे बाहर कौन से नए कौशल मौजूद हैं?

फ्लिप चार्ट पर इनकी लिस्ट बनाएं

सार पेश करें

प्रगति दीदी की सलाह है कि **सीखे और कमायें**।

मॉड्यूल को खत्म करें

अब दिन के महत्वपूर्ण संदेश के साथ सत्र का सार पेश करें

- जरूरी खर्चों से बचें
- सीखें और कमायें

2 समृद्धि की ओर

समय

1.5 घंटे

प्रस्तावित बैच संख्या

30

सामग्री

FLM पैनल
ट्रांसपेरेंसी मार्कर
मास्किंगटेप
फ्लिप चार्ट पेपर

उद्देश्य

इस सत्र के अंत तक भाग लेने वालों को यह सब समझने में समर्थ होना चाहिए

- **रुपए पैसे के हिसाब की एक डायरी बनाने के फायदे**
- **पैसे बचाने के फायदे**
- **कम अवधि और लंबी अवधि के वित्तीय लक्ष्यों को परिभाषित करना**
- **कोई काम धंधा शुरू करने के लिए प्लानिंग करना और उसकी शुरुआत करना**
- **क़र्ज़ लेने के अलग-अलग साधन**
- **राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के बारे में जागरूकता**
- **DAY-NULMके तहत एसएचजी/सीआईजी बनाने के फायदे**
- **कौशल ट्रेनिंग और बिज़नेस का विकास**
- **DAY-NULM के तहत किफायती उधार की उपलब्धता**

चरण

1. सत्र का परिचय 28
2. मासिक बजट को बनाए रखना 32
3. अपनी बचत को निवेश करना 36
4. सेफडिपॉजिट में निवेश करना 40
5. अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करना 44
6. बिजनेस के लिए पैसा कैसे पाया जाए 46
7. क़र्ज़ के साधन 48
8. DAY-NULM & SHG (U-Learn tutorials to be screened) 52
9. कौशल ट्रेनिंग और बिज़नेस 58
10. किफायती उधारी 62

मॉड्यूल 2

समृद्धि की ओर: मेरे सपनों का जीवन

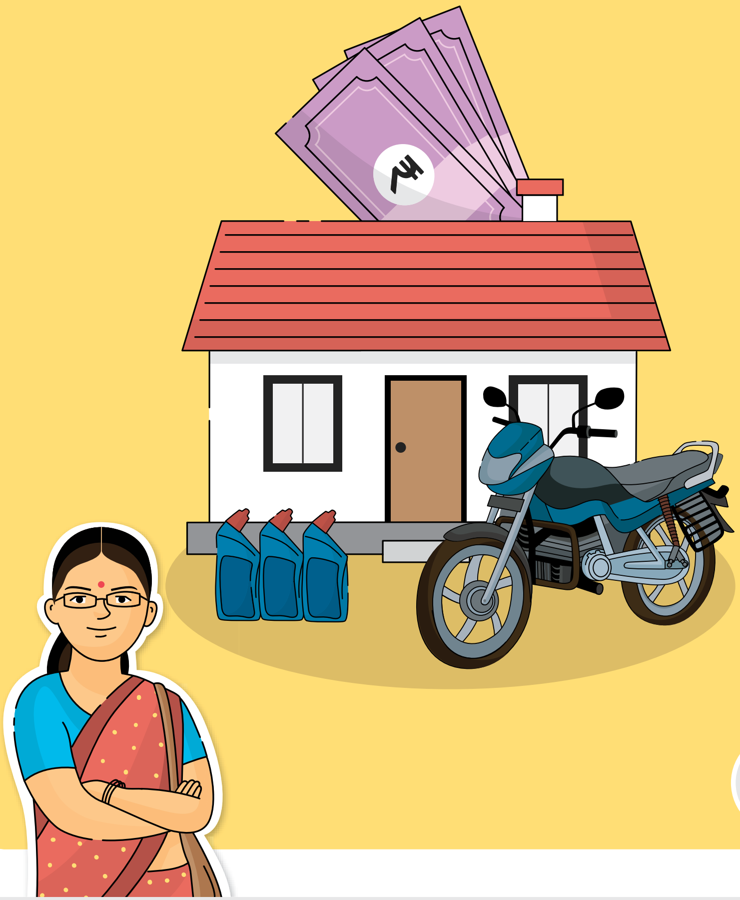

9

चरण 1 सत्र का परिचय

10 मि.

बातचीत

वित्तीय साक्षरता सीखने के इस सत्र में आपका एक बार फिर से स्वागत है।

पिछले सेशन में सीखी गई बातों को दोहराने और प्रगति दीदी के जरूरी संदेशों को याद करने में 5 मिनट बिताएं। ग्रुप के सदस्यों से सवाल पूछें और उन्हें हाथ खड़ा करके जवाब देने को कहें:

- **मॉड्यूल 1 में हमने क्या सीखा (किन्ही तीन लोगों से हाथ खड़ा करके उन्हें संक्षिप्त में बताने को कहें)?**
- **क्या आपके मन में मॉड्यूल 1 के बारे में कोई सवाल हैं, जिसके बारे में आप चर्चा करना चाहेंगे?**
- **आप में से कितने लोग जीवन में समृद्ध बनने और अपने लक्ष्यों को पाने का सपना देखते हैं?**
- **आप में से कितने लोगों ने अपने जीवन के लिए कोई लक्ष्य सोच रखा है?**
- **आपके लक्ष्य क्या हैं?**

फ्लिप चार्ट पर इनकी सूची बनाएं

- **आप में से कितने लोग प्रति रोज/ प्रति महीने अपनी वित्तीय डायरी में चीजों का लेखा जोखा रखते हैं?**
- **आप में से कितने लोग अपने जीवन के लक्ष्यों के लिए प्लानिंग करते हैं और पैसा बचाते हैं?**
- **आप पैसा कहां बचाते हैं?**
- **कितने लोगों को कर्जा लेने में कठिनाई आई है?**
- **आप में से कितने लोगों ने DAY- NULM प्रोग्राम के बारे में सुना है?**
- **आप में से कितने लोग नए कौशल सीखना चाहते हैं?**

बताएं

रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने और अचानक आ पड़ने वाले खर्चों से निपटने के लिए लोगों के पास जो भी थोड़ा बहुत पैसा होता है, उसे सावधानी से मैनेज करना और जब भी कोई मौका आए तो उसका फायदा उठाना बहुत जरूरी होता है। आर्थिक साक्षरता के इस ट्रेनिंग मॉड्यूल को पूरा करने के बाद आप बचत करने और अपने पैसे को समझदारी से मैनेज करने के बारे में अच्छी तरह समझने लगेंगे। हम यह भी देखेंगे कि

आर्थिक लक्ष्य तक कैसे पँहुचे ?

हम आपको आर्थिक तरक्की के रास्ते पर आगे ले जाने और आपकी ज़िंदगी के आर्थिक लक्ष्यों को पाने में मदद करने के लिए क्या कर सकते हैं। हम सीखेंगे कि रोज के खर्चे का हिसाब रखकर हम कैसे पैसा बचा सकते हैं। अपने सपनों को पूरा करने के लिए हम पैसे की ताकत को समझेंगे। हम यह भी जानेंगे कि अपना खुद का कोई काम धंधा शुरू करने की प्लानिंग करने और उसे शुरू करने के लिए आपको पैसा कैसे और कहां से मिल सकता है। हम सीखेंगे कि DAY-NULM प्रोग्राम के अंर्तगत SHG ग्रुप कैसे बनाए जा सकते हैं और उनके ढेरों फायदे कैसे पाये जा सकते हैं। हम DAY-NULM प्रोग्राम के तहत अलग अलग कौशल सीखेंगे भी और उन्हें अपग्रेड भी करेंगे।

बातचीत

आज हम मॉड्यूल 2 कवर करेंगे उसकी अवधि डेढ़ घंटा होगी। आज मैं आपको बचत और नया काम शुरू करने के लिए प्रगति दीदी के नुस्खे बताऊंगी। लेकिन आपको धीरज रखना होगा और नियमित रूप से इस में भाग लेना होगा।

यह सब बातचीत करते वक्त उन्हें **'समृद्धि की ओर - मेरे सपनों का जीवन'** तथा **'आर्थिक लक्ष्यों को कैसे प्राप्त करें'** पैनल दिखाएं।

आप में से कितने लोग ये नुस्खे जानना चाहते हैं? (हाथ खड़ा करने को कहें)

तो आइए, शुरू करते हैं

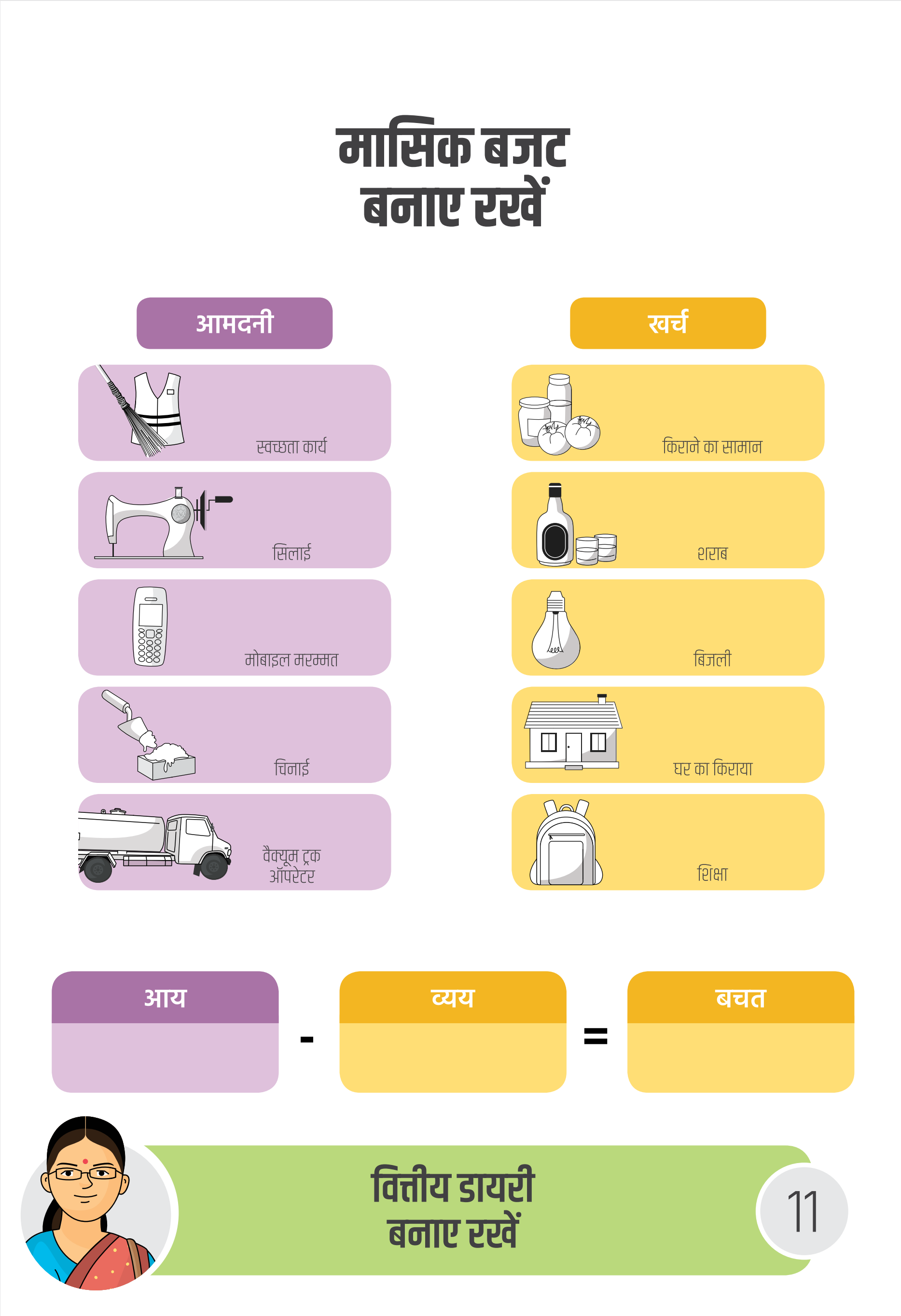

चरण 2 महीने का बजट बनाना

10 मि.

बातचीत

आप में से कितने लोग समृद्ध बनने का सपना देखते हैं?

जैसा कि हम सब जानते है कि हमें अपने पैसे की प्लानिंग करनी होती है और अपनी आमदनी के हिसाब से ही खर्च करना जरूरी होता है।

अपने आर्थिक लक्ष्यों को पाने के लिए हमें अपने रोज के और महीने के खर्चे की प्लानिंग करनी होगी।

क्या वे जानते हैं कि एक वित्तीय डायरी क्या होती है?

वित्तीय डायरी एक कॉपी होती है, जिसमें हम पूरे दिन में हुए सारे खर्चे का हर रोज़ हिसाब लिखते हैं और देखते है कि यह हमारी रोज की या महीने की आमदनी के हिसाब से है या नहीं।

क्या वे रोज वित्तीय डायरी लिखते हैं? यदि हां, तो वे इसे कैसे करते हैं?

उनके उत्तर को फ्लिप चार्ट पर लिखें।

गतिविधि

उन्हें रोजाना की वित्तीय डायरी के बारे में बताएंऔर खर्चों का रिकॉर्ड रखने के फायदों के बारे में बताएं। उन्हें **'रोज़ वित्तीय डायरी लिखें'** पैनल दिखाएं। हर व्यक्ति उसमें अपनी आमदनी औरखर्चे लिख सकता है।

रोज की आमदनी	रोज के खर्चे

आपकी आमदनी के साधन क्या है?

आपकी हर महीने की आमदनी कितनी है?

आप के पूरे महीने का खर्च कितना है?

फ्लिप चार्ट पर उनके उत्तर की लिस्ट बनाएं।

पैनल पर खर्चों और आमदनी का हिसाब लगाएं। बचत या कमी जो भी हो, उन्हें दिखाएं।

भाग लेने वालों के लिए एक्सरसाइज़

उन्हें 5 समूहों में बांट दें। ग्रुप का एक लीडर नियुक्त कर दें, जो हिसाब किताब कर सकता हो।

अब किसी एक व्यक्ति की मासिक आमदनी और खर्च को लेते हुए उन्हें एक सैंपल महीने के लिए डायरी में एंट्री करने को कहें।

किन्हीं दो समूहों को इसे लिखने और जोर से पढ़ कर सुनाने के लिए कहें।

आप डायरी एंट्री को फ्लिप चार्ट पर लिखें।

बताएं

उन्हें दिखाएं कि अपने खर्चों का रिकॉर्ड रखकर वे किस तरह फालतू और गैर जरूरी खर्चों को पहचान सकते हैं और उन्हें कम करके आगे के लिए प्लानिंग और बचत कर सकते हैं। अगर वे वित्तीय डायरी में हर रोज यह रिकॉर्ड रखते हैं, तो उन्हें भविष्य के लिए एक्स्ट्रा पैसा मिल सकता है। **वित्तीय डायरी** बनाने पर जोर दें।

सार पेश करें

प्रगति दीदी कहती हैं कि महीने का बजट बनाने और पूरे महीने की प्लानिंग करने से वे जल्द ही बड़ी ही आसानी से अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इसीलिए **वित्तीय डायरी** बनाए रखना बहुत जरूरी है।

अगला →
चरण 3: अपनी बचत को निवेश करें

अपने बचत का निवेश करें

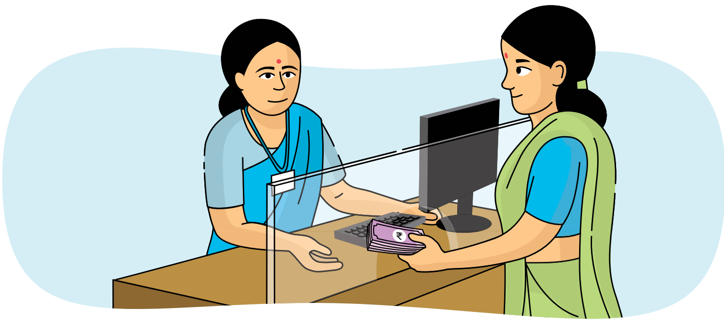

₹10 प्रति दिन

बचाये	बचाये
₹ 3000 प्रति वर्ष	

निवेश		निवेश	
6.5%			
1 वर्ष	5 वर्ष		
₹ 3,195	₹ 18,191		

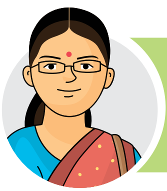

क) नियमित बचत करें
ख) सुयोग्य निवेश करके पैसा बढ़ाएँ

12

चरण 3 अपनी बचत को निवेश करें

15 मि.

बातचीत

अब हम जानते हैं कि वित्तीय डायरी बनाने से हम अपने पैसे की प्लानिंग और बचत कर सकते हैं।

क्या आप पैसा बचाते हैं ?

इस बचाए गए पैसे का आप क्या करते हैं?

क्या आप में से कोई इसे बैंक में जमा कराता है?

उनके उत्तर को चार्ट पर लिखें।

नोट

'बचत की ताकत' पैनल दिखाते हुए उन्हें विस्तार से इस के बारे में बताएं।

उन्हें दिखाएं कि यदि हम महीने में 25 दिनों के लिए ₹10 रोज भी बचाते हैं, तो हम साल में ₹3000 बचा सकते हैं (10x 25x 12 = 3000)।

मान लीजिए हमने इस बचत को 6.5% के ब्याज पर 1 साल के लिए बैंक में जमा किया।

1 साल के लिए जमा किए गए ये ₹3000 साल के अंत में 3195 रुपए हो जाएंगे (₹3000 मूल और ₹195 ब्याज के हिसाब से)

₹3000 के 6.5% का हिसाब लगाएं। उन्हें सिखाएं कि % कैसे निकाला जाता है। उदाहरण दें कि ₹100 का 5% ₹5 होता है और ₹100 का 10% ₹10 होता है। अब उन्हें जबानी हिसाब लगाने को कहें कि उदाहरण के लिए ₹200 का 5% कितना होगा? (10 रु.)

बताएं

सिर्फ ₹10 हर रोज बचाने, और आगे उसे उपयोग करने के लिए सुरक्षित रूप से निवेश करने से 10 साल में आपके पास ₹43,115 की अच्छी खासी रकम जमा हो सकती है।

आवर्ती जमा की ताकत

आवर्ती जमा की ताकत मेरे पसंदीदा विषयों में से एक है क्योंकि

इसे **समझना बहुत ही आसान है** और

एक **बहुत ही ताकतवर आइडिया है**।

यह **हर किसी के लिए**

आवर्ती जमा और कुछ नहीं बल्कि वो वैल्यू है, जो कोई भी व्यक्ति अपने पैसे को लंबे समय के लिए, सिर्फ एक बार निवेश करके बढ़ा सकता है। यह एक खास रकम को आज ही निवेश करने के महत्व के बारे में भी बताती है बजाय उसे बाद में इन्वेस्ट करने के। यानी यह ये भी बताती है कि टाइम कितना कीमती है।

इसे समझाने के लिए हम कुछ साधारण से उदाहरण लेते हैं।

टाइम की ताकत

मान लीजिए कि राधा इस साल 25 वर्ष की हो जाएगी और उसने ₹25,000 की रकम जमा कर रखी है। वह इस रकम को निवेश करना चाहती है। हम मान लेते हैं कि उसे इस रकम पर **3%** का ब्याज मिलता है। तो, 1 साल के बाद उसकी यह रकम **25000** से बढ़कर **26,500** हो जाएगी। दूसरे साल के आखिर तक यह **25,000** का **6%** यानि, **3,090** रु. बढ़कर **28,090** हो जाएगी।

5 साल खत्म होने तक यह बढ़कर **₹33,456** हो जाएगी।

10 साल बाद यह रकम बन जाएगी **44,771 रु.** अब नीचे दी गई इस सारणी को देखें।

साल	मूल रकम	ब्याज	कुल रकम
साल 0	25000		25000
साल 1		1500	26500
साल 2		1590	28090
साल 3		1685	29775
साल 4		1787	31562
साल 5		1894	33456
Year 6		2007	35463
साल 7		2128	37591
साल 8		2255	39846
साल 9		2391	42237
साल 10		2534	44771

1. जितना ज्यादा टाइम के लिए आप निवेश करते हैं आपका पैसा उतना ही ज्यादा बढ़ता है। इसलिए अपने आर्थिक लक्ष्यों को पाने के लिए **छोटी उम्र से ही निवेश करना शुरु करें**। तो अगर आपकी उम्र 20 साल है, तो ज्यादा न सोचें और निवेश करना शुरु करें, चाहे यह रकम बहुत छोटी ही क्यों न हो। बीतते समय के साथ यह अपने आप बढ़ कर बड़ी बन जाएगी।
2. अगर आप **जल्दी निवेश करना शुरु करते हैं** तो एक खास समय तक एक खास रकम जोड़ने के लिए, आपको **कम पैसा निवेश करने की जरूरत होती है। लेकिन अगर आप देरी से शुरु करते हैं तो आपको ज्यादा बड़ी रकम निवेश करनी होगी**।

हम देख सकते हैं कि लंबे समय तक बचत करना किस तरह आवर्ती ब्याज के द्वारा पैसे को बढ़ा देता है।

नोट

उन्हें इसका बेसिक नियम बताएं।

इस बात पर जोर दें कि **हर किसी को अपनी मासिक आमदनी का 20% बचाने की कोशिश जरूर करनी चाहिए**।

सार पेश करें

आपके पास जो भी बचत है, उसे बैंक में रखें। कभी भी उसे घर पर न रखें क्योंकि एक तो बैंक में आपको ब्याज मिलेगा और दूसरे, वहां आपका पैसा ज़्यादा सुरक्षित रहेगा। इस तरह, आपको ये दो नुस्खे अपनाने हैं: **लगातार बचत करते रहें और अपने पैसे को बढ़ाएं**।

सुरक्षित जगह निवेश करें

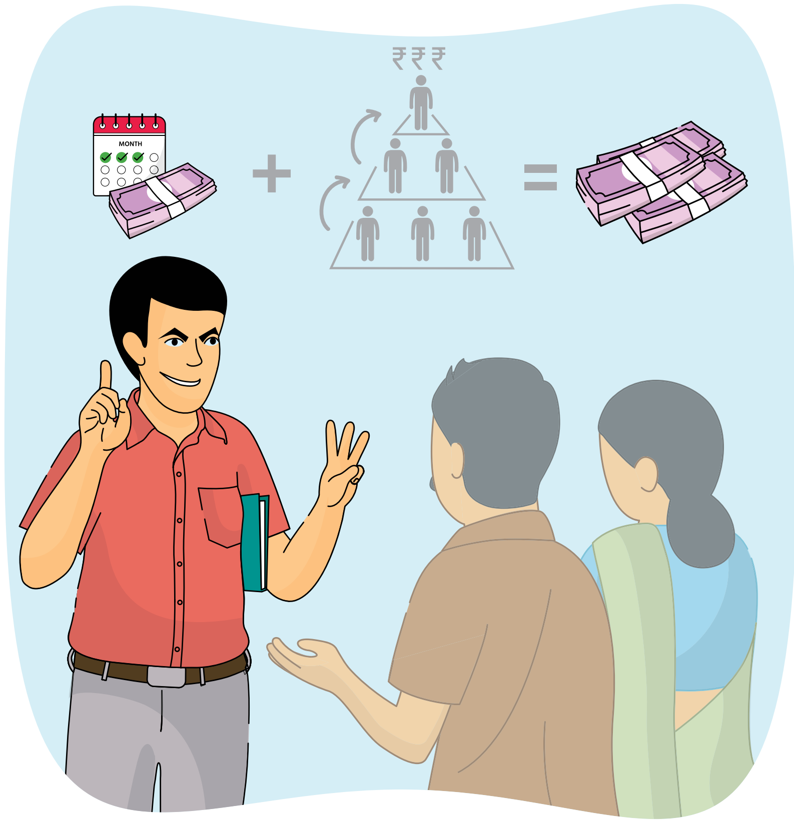

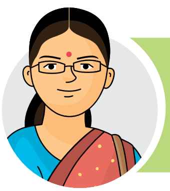

जालसाजी स्कीमों से सावधान रहें

13

चरण 4 सेफडिपॉजिट में निवेश करें

5 मि.

बातचीत

आपने आवर्ती ब्याज की ताकत को समझ लिया है। ब्याज की दर जितनी ज्यादा होगी, आवर्ती जमा की वैल्यू भी उतनी ही ज्यादा होगी। लेकिन याद रखें कि यह बहुत ज्यादा नहीं हो सकती। असल दुनिया में 10% से ज्यादा रिटर्न पाना बहुत मुश्किल है,12% तो अधिकतम बाहरी लिमिट है।

क्या आपने ऐसी स्कीमों के बारे में सुना है जो आपके पैसे को सिर्फ 2 साल या 5 साल में डबल कर देती हैं?

ग्रुप को कुछ उदाहरण देने के लिए कहें। या आप कुछ इस तरह के उदाहरण दे सकते हैं, जिनमें ₹50,000 बढ़कर 3 साल में 1,00,000 हो जाते हैं (अब उन्हें बताएं कि ये सब फर्जी और धोखा धड़ी वाली स्कीमें होती हैं)

बताएं

फर्जी स्कीम क्या होती है?

फर्जी स्कीम निवेश की एक जाली स्कीम होती है, जो पैसा लगाने वाले को बिना किसी जोखिम के, ब्याज की ऊंची दर देने का वादा करती है।जितनी रिटर्न का वादा ये स्कीमें करती हैं, उसके लिए कैश का फ्लो बनाए रखने के लिए इन्हें नए निवेशकों से लगातार पैसा पाने की जरूरत होती है। अंत में, एक समय ऐसा आता है जब, जितना ये लोग कमा रहे होते हैं, उससे ज्यादा इन की देनदारी हो जाती है। इस समय पर आकर ये अपनी दुकान बंद करके सारे पैसे के साथ, गधे के सिर से सींग की तरह गायब हो जाते हैं। ऐसी स्कीमें हमेशा फेल ही होती हैं, क्योंकि अगर इनसे कोई कमाई होती भी है, तो वो निवेशकों को दी जाने वाली रकम से कम ही होती है।

इनकी पहचान कैसे करें?

ये फर्जी स्कीमें अक्सर कम समय में इतनी रिटर्न का वादा करके लोगों को लुभाती हैं, जो दूसरे निवेश नहीं दे सकते। यह रिटर्न या तो हद से ज्यादा ऊंची होती हैं या फिर बहुत जल्दी-जल्दी दी जाती है। दूसरे शब्दों में यह इतनी लुभावनी होती है कि यह सच नहीं हो सकती।

सार पेश करें

प्रगति दीदी कहती हैं हमें अपना पैसा हमेशा बैंक में या सरकारी स्कीमों में लगाना चाहिए। बचत हमेशा अनुशासित और नियमित होनी चाहिए। इन फर्ज़ी स्कीमों से हमेशा सावधान रहें और इनके झांसे में न आयें।

अगला →

चरण 5: अपने वित्तीय लक्ष्यों तक पहुंचना

अपने आर्थिक लक्ष्य तक पहुंचे

कम समय में

लक्ष्य	समय	धनराशि	बचत		
			साल	महिना	दिन

लंबे समय में

लक्ष्य	समय	धनराशि	बचत		
			साल	महिना	दिन

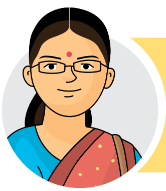

अपना वित्तीय लक्ष्य तय करें और
उन तक पहुँचने का प्रयत्न करें

14

चरण 5 अपने वित्तीय लक्ष्य तक पहुंचना

15 मि.

बातचीत

आप में से कितने लोगों ने अपने जीवन के लिए कोई लक्ष्य बनाया है?

आपके जीवन के वित्तीय लक्ष्य क्या हैं?

फ्लिप चार्ट पर उनके उत्तर की लिस्ट बनाएं।

बताएं

उनके वित्तीय लक्ष्यों को कम अवधि और लंबी अवधि के लक्ष्यों में बांटे।

कम अवधि के लक्ष्यों का अर्थ: ये वो लक्ष्य हैं जिन्हें हम अगले एक-दो साल में पाना चाहते हैं। जैसे मोटरसाइकिल खरीदना, फ्रिज खरीदना आदि।

जबकि, **लंबी अवधि के लक्ष्य** वो गोल हैं, जिन्हें हम अगले 5 या ज्यादा वर्षों में या अपने भविष्य के लिए पाना चाहते हैं। जैसे घर खरीदना, बेटे की शादी, रिटायरमेंट के लिए पेंशन फंड में बचत।

'अपने वित्तीय लक्ष्यों तक पहुंचना' पैनल दिखाएं।

उदाहरण दें: कम अवधि का लक्ष्य है एक फ्रिज खरीदना। बचत के लिए समय:1 साल। कीमत:10,000

कुल महीने: 12, कुल दिन: 360, हर रोज बचत की जरूरत: 10000 /360 = ₹28 हर रोज।

यह पैसा बैंक या किसी सरकारी स्कीम में निवेश किया जाना चाहिए। इससे 1 साल के लिए ब्याज भी मिलेगा।

भाग लेने वालों के लिए एक्सरसाइज

उन्हें एक छोटी अवधि का लक्ष्य चुनने और उसके लिए जरूरी पैसे का हिसाब लगाने के लिए कहें। ग्रुप में से किन्हीं 2 लोगों को एक उदाहरण देने के लिए कहें और आप फ्लिप चार्ट परउसका हिसाब लिखकर दिखाएं।

सार पेश करें

प्रगति दीदी कहती हैं कि **अपने लिए वित्तीय लक्ष्य सेट करें और उन्हें पाने के लिए काम करें।**

अपने व्यवसाय के लिए पैसा कैसे जुटाएँ ?

चरण 6

10 मि.

काम धंधा करने के लिए पैसा कैसे जुटाएं

बातचीत

अपने वित्तीय लक्ष्यों को पाने के लिए आपको कोई काम धंधा शुरू करने की जरूरत हो सकती है। जैसे अगर आपको किसी ठेकेदार द्वारा सफाई के काम पर रखा गया है तो आपको हर महीने एक फिक्स तनख्वाह/वेतन मिलेगी। जबकि, अगर आप अपना खुद का काम या एसएचजी के साथ बिजनेस शुरू करते हैं, तो आप अपनी बंधी बंधाई तनख्वाह से ज्यादा पैसा कमाने में कामयाब हो सकते हैं।

क्या आपने कभी अपना काम शुरू करने के बारे में सोचा है? इसके लिए आपको किस चीज की जरूरत होगी?

पैसे की, सही है न?

आपको यह पैसा कहां से मिल सकता है?

फ्लिप चार्ट पर उनके उत्तर की लिस्ट बनाएं

ट्रेनिंग देने वाले के लिए नोट

दोस्तों या रिश्तेदारों से पैसा उधार लिया जा सकता है, लेकिन इसमें कुछ परेशानियां होती हैं। जैसे लिमिटेड पैसा, रिश्ते खराब होने का जोखिम आदि। दोस्तों या परिवार वालों से उधार लेते वक्त लोन या निवेश की सारी शर्तों के बारे में साफ-साफ बात करें और लिखित में इनका रिकॉर्ड रखें।

बताएं

लोन के लिए बैंक में अर्जी करें, जो कि अपना काम करने वालों के लिए पैसे का एक मुख्य साधन होते हैं। हालांकि, पब्लिक सेक्टर के बैंकों से लोन लेना ज्यादा किफायती होता है। याद रखें कि काम के शुरुआती छह महीनों के खर्चे पूरे करने के लिए आपके खुद के पास भी कुछ पैसा होना चाहिए, चाहे यह बचत हो या उधार लिया गया पैसा।

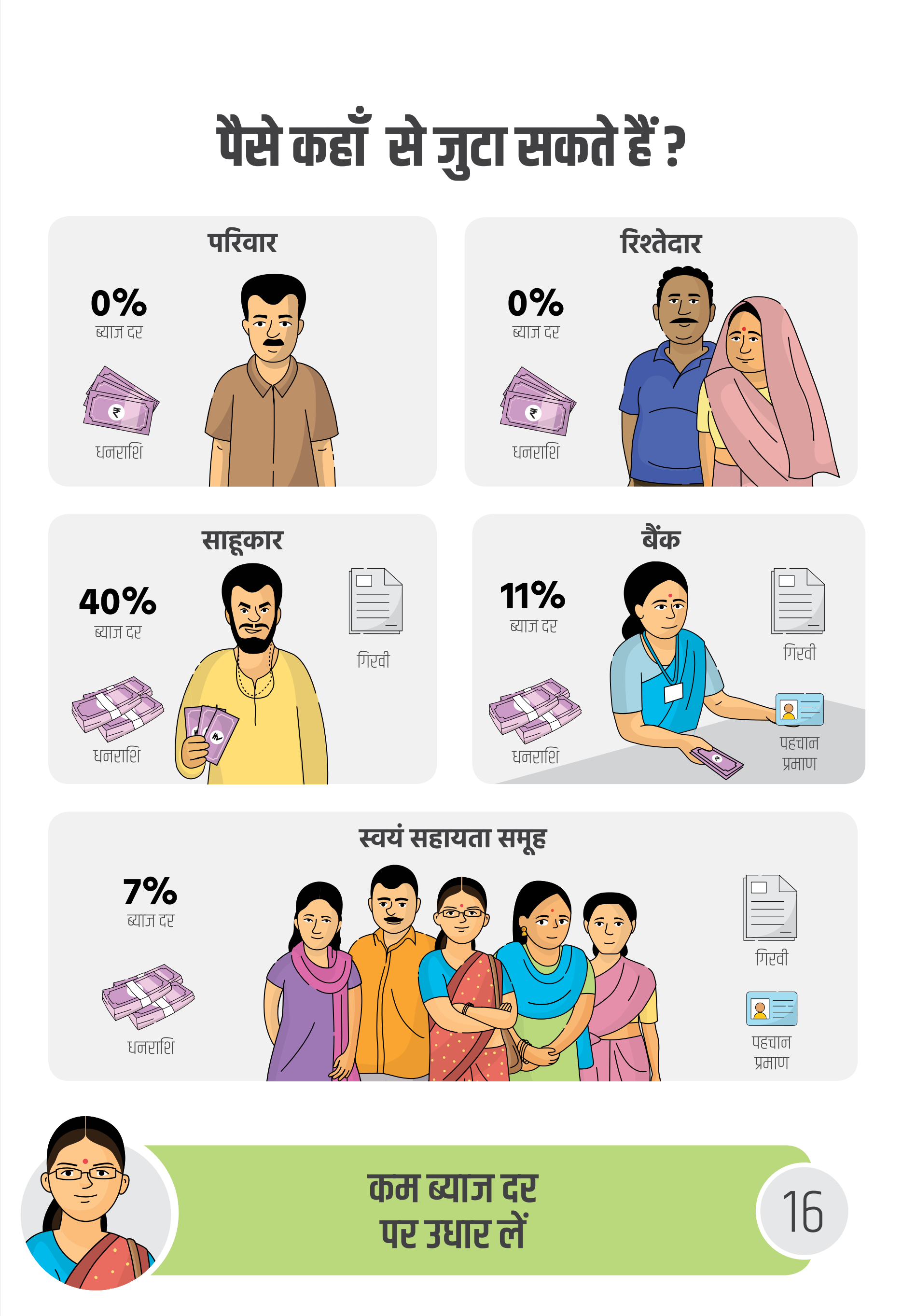

चरण 7 उधारी के स्रोत

5 मि.

बातचीत

अगर हमने एक बिज़नेस शुरू करने की प्लानिंग की है और इसके लिए पैसा बचाना शुरू किया, तो हमारे पास पर्याप्त बचत हो सकती है। जैसा कि हमने मॉड्यूल एक में सीखा था, तब हम आराम से अपने खर्चे कर सकते हैं। अगर हमने प्लानिंग और बचत नहीं की है, तो हमें विभिन्न साधनों से पैसा उधार लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

आपके अनुसार से आप कहां कहां से पैसा उधार ले सकते हैं?

फ्लिप चार्ट पर उनके उत्तर की लिस्ट बनाएं

बताएं

'उधारी के स्रोत' पैनल पर उन्हें समझाएं: परिवार वाले, रिश्तेदार, साहूकार, बैंक, एसएचजी। इन सभी साधनों से उधार लेने के फायदे और नुकसानों के बारे में उन्हें बताएं।

भाग लेने वालों से कर्ज़ लेने के उनके पर्सनल/ असली उदाहरण देने को कहें।

इस तरह के उदाहरण दें: हो सकता है जब कोई रिश्तेदारों से उधार ले और उसे वापस न चुका पाए, तो इससे आपसी रिश्ते खराब हो जाएं। या फिर, किसी ने साहूकार से उधार लिया और उसे नहीं चुका पाने की हालत में साहूकार ने उनका घर या मोटरसाइकिल या जेवर अपने कब्जे में कर लिया। इस बारे में बात करें कि गलत जगह से उधार लेने पर कैसे वे मुश्किल में पड़ सकते हैं।

साहूकारों से पैसा उधार लेने के बुरे नतीजों के बारे में उन्हें बताएं।

ट्रेनिंग देने वाले के लिए नोट

मान लीजिए, आज आपने एक साहूकार से ₹20,000 उधार लिए और अपने 20,000 के जेवर उसके पास सिक्योरिटी के तौर पर रखवा दिए। साहूकारों से रुपया लेने पर वे कम से कम 3 से 3.5% हर महीने की दर से ब्याज लेते हैं। इस तरह, अगर आप 1 महीने के भीतर उनका कर्ज चुकाने में समर्थ हो जाते हैं, तो आप तो उन्हें ₹20,600 वापस करने होंगे। आपको सिर्फ 1 महीने के लिए ₹600 की रकम ब्याज के तौर पर चुकानी होगी।

बताएं

यदि आप इस कर्ज को चुकाने में समर्थ नहीं हो पाते हैं, तो आपको तब तक ₹600 का आवर्ती ब्याज देना होगा, जब तक आप मूल रकम चुका नहीं देते।जरा सोचिए, अगर आप 12 महीने तक इसे चुका नहीं पाते, तो 1 साल बाद आप के कर्ज की 20 हजार की रकम 28,515 हो जाएगी।

इसके अलावा, जब तब आकर साहूकार आप से रुपए का तकाजा करता रहेगा।

उन्हें **'उधारी के स्रोत'** पैनल दिखाएं और बताएं कि बैंकों के ब्याज की दर 11% है, और एसएचजी सबसे कम 7% दर पर कर्ज देते हैं, जबकि साहूकारों से कर्ज लेने पर ब्याज की यह दर आवर्ती होकर 40% हर साल तक पहुंच जाती है।

सार पेश करें

प्रगति दीदी की सलाह है कि हमेशा **कम ब्याज दर वाली जगह से ही कर्जा लें** और उसे चुकाने के लिए पहले से ही प्लानिंग करके रखें।

अगला →
चरण 8: DAY-NULM एसएचजी

चरण 8 DAY-NULM SHG

10 मि.

गतिविधि

अब मैं आपको एक छोटी फिल्म दिखाऊंगी।

उन्हें एसएचजी के गठन पर यू-लर्न मॉड्यूल दिखाएं। (www.U-Learn.in) (फिल्म के समाप्त होने के बाद)

बताएं

हम जानते हैं कि जीवन में तरक्की करने के लिए जरूरी कदम उठाने की जिम्मेदारी हमारी खुद की है। शहरी गरीबों के लिए कुछ खास प्रोग्राम बनाकर सरकार भी इस काम में लोगों की मदद कर रही है।

नोट

उन्हें DAY-NULM प्रोग्राम के बारे में बताएं कि यह भारत सरकार द्वारा शहरी गरीबों की मदद करने के लिए, औरतों के स्वयं सहायता समूहों को सपोर्ट करने के लिए बनाया गया सर्वोत्तम प्रोग्राम है। बैंक लिंकेज सेटअप करके और कौशल ट्रेनिंग द्वारा आजीविका के मौके पैदा करके यह उन्हें मजबूत बनाता है। इस तरह, यह उन्हें अपने काम धंधे शुरू करने और अपने पैरों पर खड़े होने में मदद करता है।

बचपन से ही हम यह कहावत सुनते आए हैं,कि "जो अपनी मदद खुद करता है, उसकी मदद भगवान भी करते हैं"! "एकता में ही बल है"! "एक साथ खड़े रहकर ही हम आगे बढ़ सकते हैं"! हमने जाल में पकड़े गए पक्षियों की कहानी भी सुनी है। वे अकेले अपनी जान नहीं बचा सकते थे। लेकिन जब उन्होंने मिलकर एक साथ जोर लगाया तो वे वहां से बच निकलने में सफल हो गए। हम यह भी जानते हैं कि लकड़ी की एक छड़ी को तोड़ना बहुत आसान होता है, लेकिन छड़ियों के एक पूरे बंडल को तोड़ना मुश्किल होता है। SHG हमें दिखाते हैं कि कैसे एकता में ही बल होता है। वे हमें दिखाते हैं कि अपनी मदद स्वयं करना सबसे बेहतरीन मदद होती है।

'स्वयं सहायता समूह' पैनल दिखाएं

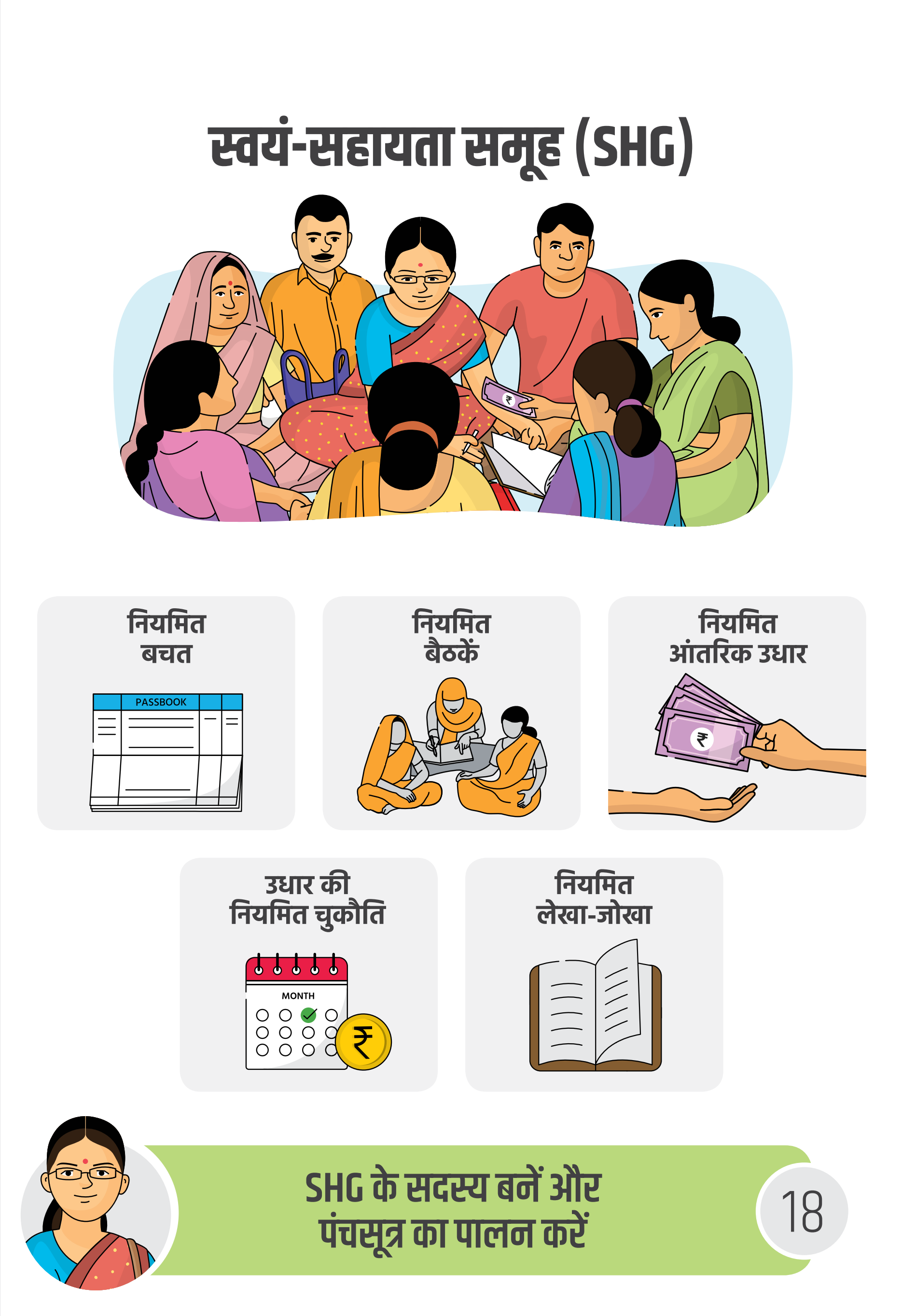

ट्रेनिंग देने वाले का नोट

SHG क्या होता है?

SHG 10 से 20 आदमी और औरतों के ग्रुप होते हैं, जो समूह में बचत करने या उधार लेने के द्वारा अपनी आर्थिक हालत को सुधारने के लिए एक साथ मिलकर काम करते हैं। SHG को बनाने की प्रक्रिया इस प्रकार है: आस-पड़ोस की औरतों को इकट्ठा करना, ग्रुप के नियम बनाना, पंचसूत्र पर अमल करना और उन्हें लीडरशिप सिखाना। सारे अच्छे SHG ग्रुप पंचसूत्र के नियमों पर ही काम करते हैं - लगातार बचत, लगातार मीटिंग करना, लगातार बही खाते और हिसाब किताब रखना, लगातार कर्ज चुकाते रहना और SHG के नियम कायदों का पूरी तरह पालन करना।

बताएं

ये ग्रुप नियमित तौर पर मीटिंग करते हैं, जहां एक सामूहिक फंड में पूरे ग्रुप की बचत इकट्ठी की जाती है, जिसे सदस्यों को छोटी अवधि के कर्ज देने के लिए काम में लिया जाता है। कुछ समय के बाद जब सदस्यों की उधार की जरूरतें बढ़ती हैं, तो सहायता समूह लोन के लिए बैंकों के पास भी जाते हैं। एक बार ग्रुप के सदस्यों के नाम फाइनल कर लेने और ग्रुप बन जाने के बाद,एक दूसरे की मदद करने, सभी लोगों को ट्रेनिंग देने, बैंक से लिंक करने, फेडरेशन बनाने और ऐसे ही दूसरे कामों के लिए,एक एसएचजी पर ज्यादा से ज्यादा ₹10,000 की रेवोलविंग फ़ंड का खर्च किया जा सकता है। SHG को बैंक से लिंक किया जाता है।

नोट

स्वच्छता, कचरे की छंटाई, गलियों की सफाई वगैरह जैसे अलग-अलग रोजगारों से जुड़े काम कर रहे सहायता समूहों का उदाहरण दें।

नोट

उन्हें DAY-NULM एसएचजी के फायदों के बारे में बताएं, जहां वे एक साथ काम कर सकते हैं और रोज़ी-रोटी कमा सकते हैं। एसएचजी ग्रुप अपने सदस्यों के बीच बचत को बढ़ावा देने,उनकी अर्जेंट घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए उपलब्ध पैसे को ग्रुप के सदस्यों को देने के लिए एक ऐसा ग्रुप बनाते हैं, जो राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) की 'दीनदयालअंत्योदय योजना'तथा भारत सरकार व राज्य सरकार की दूसरी योजनाओं के तहत के तहत सुविधाएं प्राप्त करने का पात्र हो। साथ ही, इसके लिए एक मांग बनाने और सदस्यों के बीच लीडरशिप कौशल को विकसित करने में में समर्थ हो, ताकि वे बारी-बारी से अपने ग्रुप का संचालन कर सकें।

सार पेश करें

प्रगति दीदी की सलाह है कि एक एसएचजी में शामिल हों और पंचसूत्र का पालन करें।

अगला →
चरण 9: कौशल ट्रेनिंग और बिजनेस

चरण 9 कौशल ट्रेनिंग और बिजनेस

10 मि.

बातचीत

कौन से काम धंधे या नई नौकरियां हैं जो आप शुरू करना चाहते हैं?

आपके काम की फील्ड में या किसी दूसरी फील्ड में कौन से नए कौशल मौजूद हैं, जिनसे आप रोज़ी-रोटी कमा सकते हैं?

फ्लिप चार्ट पर इनकी लिस्ट बनाएं।

अगर कोई किसी मौजूदा एसएचजी में शामिल होने के लिए या नया बिजनेस शुरू करने के लिए अपने कौशल को बढ़ाना चाहता है तो क्या होगा? क्या नए कौशल सीखने का कोई तरीका है?

नोट

उदाहरण दें कि अगर फिलहाल वे शौचालयों की सफाई का काम करते हैं और फैसिलिटी मैनेजमेंट का काम सीखना चाहते हैं या फिर स्लज ऑपरेटर बनना चाहते हैं, तो वे आरपीएल (पहले की सीख की मान्यता) के द्वारा अलग-अलग कौशलों की ट्रेनिंग ले सकते हैं या फिर DAY NULM के तहत उपलब्ध फैसिलिटी मैनेजमेंट पर एक पूरा कोर्स कर सकते हैं।

पहले सीखने की मान्यता (आरपीएल) का क्या अर्थ है

पहले सीखने की मान्यता (रिकग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग - आरपीएल) एक मंच है, जो अनौपचारिक साधनों द्वारा अनौपचारिक रूप से सीखे गए कामों को ठीक वही पहचान और सम्मान दिलाता है, जो औपचारिक रूप से ली गई शिक्षा को मिलता है।

क्या आप नए कौशल सीखना चाहते हैं?

'कौशल ट्रेनिंग और बिजनेस' पैनल दिखाएं

नोट

भाग लेने वालों को बताएं कि DAY-NULM के तहत वे नए-नए कौशल सीख सकते हैं, उन्हें आगे बढ़ा सकते हैं, पुराने कौशल में बढ़ोती कर सकते हैं, एक से ज्यादा भत्ते पा सकते हैं, सर्टिफिकेट पा सकते हैं, नौकरी पा सकते हैं या अपना खुद का बिजनेस शुरू कर सकते हैं।

सार पेश करें

प्रगति दीदी कहती हैं कि **हमें DAY-NULM के तहत नए-नए कौशलों को सीखना या अपडेट करना अवश्य चाहिए**।

अगला →
चरण 10: किफायती कर्ज़

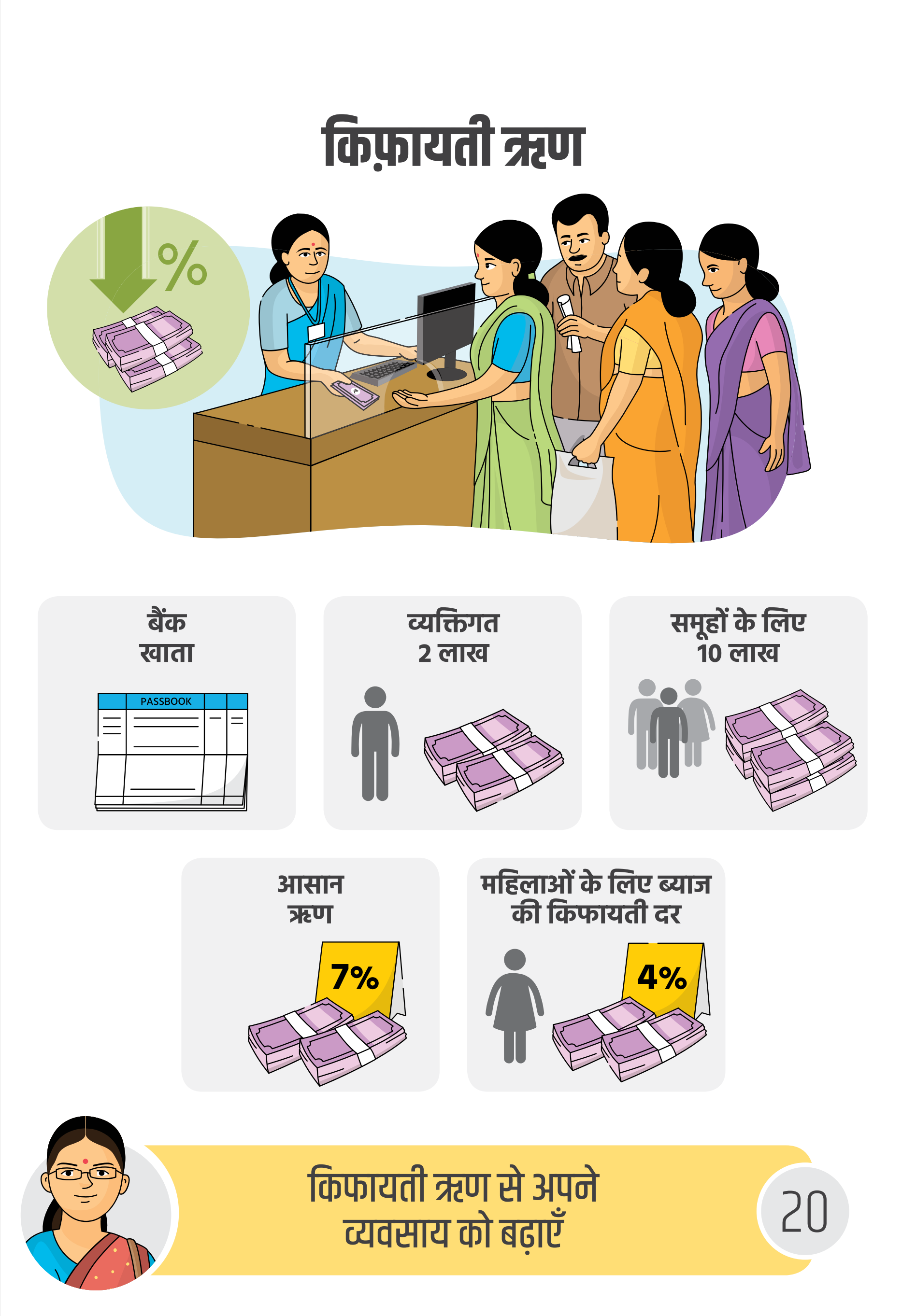

चरण 10 किफ़ायती कर्ज़

10 मि.

बातचीत

हमने पैसा उधार लेने के फायदे और नुकसानों तथा नया धंधा शुरू करने के लिए कौशल ट्रेनिंग के महत्व के बारे में सीखा। नया बिजनेस अकेले या DAY-NULM के तहत एसएचजी के साथ समूह में शुरू किया जा सकता है।

नोट

भाग लेने वालों को बताएं कि किफायती कर्ज क्या है। बिजनेस के लिए एक उधार, जो DAY-NULM और दूसरी सरकारी योजनाओं के तहत नीची ब्याज दरों और आसानी से मिलने वाले लोन के रूप में दिया जाता है।

'किफ़ायती कर्ज़' पैनल दिखायें।

नोट

उन्हें बताएं कि DAY-NULM के तहत आसान लोन के रूप में किफ़ायती कर्ज़ व्यक्तियों के लिए, औरतों के SHG समूह, मर्दों के SHG समूह या फिर दोनों के सम्मिलित SHG समूहों के लिए, ब्याज की नीची दरों पर बैंक से लिया जा सकता है। ख़ासकर, औरतों के ऐसे समूहों के लिए ब्याज की दर काफी नीची होती है, यदि वे अपने लोन समय पर चुकातीहैं और पंचसूत्र का पालन करती हैं। DAY-NULM के तहत किफायती कर्जा पाने के लिए उनका बैंक में खाता खोला जाता है।

उन्हें बताएं कि DAY-NULM के तहत व्यक्तिगत तौर पर ₹2,00,000 तक का और समूह के रूप में ₹10,00,000 तक का लोन लिया जा सकता है।

यदि आप DAY-NULM के तहत कम ब्याज दरों पर लोन लेते हैं, तो आप उस पैसे को अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने के काम में ले सकते हैं और इस तरह इन सस्ते क़र्ज़ों को चुकाना आपके लिए आसान हो जाता है, बजाय ऊंची ब्याज दर पर साहूकार से लिए गए कर्ज के।

उदाहरण के लिए, जैसा कि हमने सीखा था, यदि आप ऊंची ब्याज दर पर साहूकार से पैसा उधार लेते हैं तो आपको मूल रकम से अधिक ब्याज के रूप में चुकानी पड़ सकती है, जो कि एक मुश्किल काम है। जबकि, यदि आप किफ़ायती ब्याज दर पर पैसा उधार लेते हैं तो आप ब्याज के रूप में चुकाया जाने वाला काफी पैसा बचाकर अपने बिजनेस में निवेश कर सकते हैं।

सार पेश करें

प्रगति दीदी की सलाह है कि **अपने बिजनेस को किफ़ायती कर्ज से ही आगे बढ़ाएं**।

मॉड्यूल को खत्म करें

अब दिन के सबसे जरूरी सुझाव के साथ सैशन को खत्म करें:

- **वित्तीय डायरी बनाकर रखें**
- **नियमित रूप से बचत करें**
- **अपने पैसे को बढ़ाएं**
- **फर्जी स्कीमों से सावधान रहें**
- **कम ब्याज दर पर पैसा उधार लें**
- **SHG से जुड़ें और पंचसूत्र का पालन करें**

अगला →
मॉड्यूल 3: सरकारी लाभ

3 सरकारी लाभ

समय

1.5 घंटे

प्रस्तावित बैच संख्या

30

सामग्री

एफएलएम पैनल
ट्रांसपेरेंसी मार्कर
मास्किंग टेप
फ्लिप चार्ट पेपर

उद्देश्य

इस सत्र के अंत तक भाग लेने वालों को ये सब समझने के काबिल हो जाना चाहिए:

- **सरकारी लाभ क्या हैं**
- **मुख्य सरकारी स्कीमों के तहत मिलने वाले लाभ**
- **सरकारी स्कीमों के द्वारा बिजनेस के लिए लोन**
- **सफाई कर्मचारियों के लिए स्पेशल लोन**

चरण

1. **सत्र का परिचय** 68
2. **लाभों का समझदारी से फायदा उठाएं** 70
3. **सरकारी अधिकार और सुविधाएं** 76
4. **सुरक्षा योजना** 80
5. **कल्याणकारी योजनाएं** 86
6. **बिजनेस के लिए लोन** 98
7. **सफाई कर्मचारियों के लिए लोन** 102

चरण 1 सत्र का परिचय

10 मि.

बातचीत

क्या आप आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस करते हैं?

आपके जीवन में आपके सामने आने वाली चुनौतियां क्या हैं?

फ्लिप चार्ट पर उत्तर की सूची बनाएं

एक्सीडेंट, बीमारी या सेहत से जुड़ी परेशानियां, बैंक अकाउंट, घर खरीदने या काम शुरू करने के लिए लोन, गर्भधारण या बच्चे का जन्म, बच्चों की पढ़ाई आदि जैसी चुनौतियों पर उनके साथ चर्चा करें।

- **आप में से कितने लोगों के पास बैंक अकाउंट है?**
- **कितनों के पास जीवन बीमा है?**
- **कितनों के पास सेहत बीमा है?**
- **क्या आप सब को बैंक जाना मुश्किल लगता है?**
- **क्या आपको किसी सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है?**
- **क्या आपको अपने फायदे के लिए बनाई गई सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी है?**

फ्लिप चार्ट पर उनके उत्तर की लिस्ट बनाएं

बताएं

पिछले कुछ सालों में सरकार ने कम आमदनी वाले लोगों के कल्याण के लिए बहुत सी कल्याण योजनाएं पेश की हैं।ये प्रोग्राम लोगों और परिवारों को गरीबी से बचाने के लिए एक सुरक्षा जाल देते हैं। आज मैं आपको इनमें से कुछ के बारे में बताऊंगी।

सबसे खास योजनाओं में से कुछ जिंदगी,एक्सीडेंट और स्वास्थ्य बीमा, पेंशन, बचत बैंक अकाउंट खोलने, घर के लिए लोन लेने, मातृत्व या बच्चे के लाभों, बिजनेस शुरू करने के लिए लोन लेने से संबंधित हैं। गरीब लोगों को इन चुनौतियों का सामना करने में मदद करने के लिए सरकार ने कुछ स्कीमें चालू की हैं। हम एक-एक करके इनके बारे में जानेंगे।

'सरकारी सुविधाओं को जानें' पैनल दिखाएं

कल्याणकारी योजनाओं का उचित लाभ उठाएँ

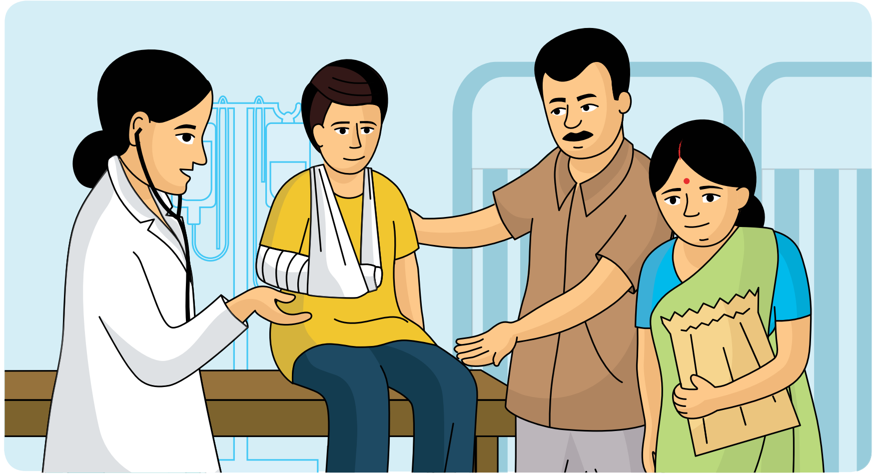

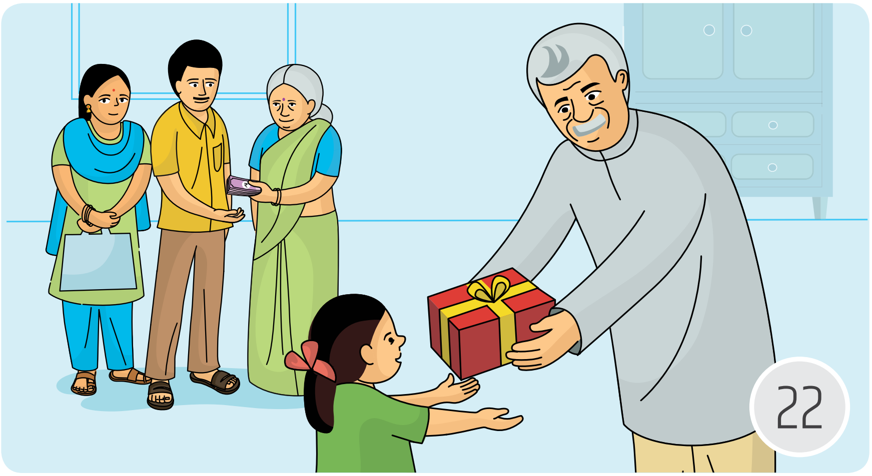

चरण 2
10 मि.

सुविधाओं का अकलमंदी से फायदा उठाएं

बातचीत

क्या आप सरकारी फ़ायदों व सुविधाओं को जानना चाहते हैं? (हाथ उठाने को कहें)

क्या आपने कभी ऐसे हालातों का सामना किया है जिसमें बच्चे को खेलते हुए चोट लग जाए और उसका हाथ या पैर टूट जाए? या फिर किसी ने ऐसी स्थिति का सामना किया है जिसमें उनके मां-बाप बड़ी उम्र के कारण काम नहीं कर सकते?

हां? ठीक है। बच्चों के साथ ऐसा अक्सर होता है कि खेलते हुए उन्हें चोट लग जाती है। हमें इस तरह की किसी भी आपात स्थिति के लिए खुद को तैयार रखना होता है।

क्या किसी ने बीमा के बारे में सुना है?

उन्हें बीमा के बारे में बताएं।

बताएं

बीमा एक वित्तीय प्रोडक्ट है जो अचानक आ जाने वाले हालातों से हमारी रक्षा करता है। हमें बीमा कंपनी को प्रीमियम के तौर पर कुछ रकम नियमितरूप से देनी होती है और किसी मुसीबत या परेशानी के अचानक आ जाने पर बीमा कंपनी बीमा की गई रकम के बराबर पैसा हमें देती है।

बीमा कराना जरूरी क्यों है?

बीमे के महत्व को समझने के लिए हम एक केस को देखते हैं।

मान लीजिए, कोई आदमी बीमार पड़ जाता है और उसे अस्पताल में दाखिल कराने की नौबत आ जाती है। अस्पताल का कुल खर्च करीब ₹50,000 है।

केस 1: अगर आपने बीमा कराया हुआ है

अगर आपने बीमा करा रखा है, तो आपकी तरफ से अस्पताल का सारा खर्च बीमा कंपनी उठाएगी और आपको ₹50,000 तक अपनी जेब से एक भी पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा।

मेडिक्लेम बीमा नाम की इस सुविधा को पाने के लिए आपको हर साल केवल ₹1,000 की मामूली रकम चुकानी होती है।

केस2: अगर आपने बीमा नहीं कराया है

आपको ₹50,000 का इंतजाम करना होगा और अस्पताल का बिल अपने आप भरना होगा। अगर आपके पास बचत के इतने पैसे मौजूद नहीं हैं तो आपको यह रकम किसी से ब्याज पर या बिना ब्याज के उधार लेनी पड़ेगी। इस तरह, अस्पताल के इस बिल को चुकाने के लिए आपके सर पर ₹50,000 + ब्याज की रकम का बोझ पड़ेगा। इसलिए, हर इंसान के लिए स्वास्थ्य बीमा कराना बहुत अनिवार्य है।

बीमा कितनी तरह का होता है

जीवन बीमा

जीवन बीमा बीमे के प्लान में दी गई उम्र तक व्यक्ति के जीवन में जोखिम को कवर करता है। यदि कोई व्यक्ति बीमा प्लान में दी गई उम्र से पहले मर जाता है, तो उसके नॉमिनी, परिवार वालों को बीमा कंपनी से वह राशि मिल जाती है जितनी रकम का बीमा कराया गया था। इस तरह का प्लान परिवार में अकेले कमाने वाले आदमी के लिए बहुत जरूरी है, ताकि कभी दुर्भाग्यवश अगर उसकी मृत्यु हो जाए, तो उस पर निर्भर परिवार के सदस्यों को बीमे का पैसा मिल सके। सबसे ज्यादा कॉमन वो टर्म प्लान हैं, जिनमें प्रीमियम की रकम करीब ₹500 महीना होती है और बीमा कवर 40 से 50 लाख तक का होता है।

स्वास्थ्य बीमा

हमने मेडिक्लेम बीमे के बारे में ऊपर आपको बताया था। यह जानना आवश्यक है कि पब्लिक सेक्टर के सारे बड़े बैंकों का चार सबसे बड़ी बीमा कंपनियों के साथ टाईअपहै। और ये सबसे सस्ते मेडिक्लेमप्लान देती हैं।

वाहन बीमा

अगर हमारे पास कोई वाहन है, तो उसका बीमा कराना भी आवश्यक है। वाहन बीमे को दो हिस्सों में बांटा जा सकता है:

1. वाहन को हुए किसी नुकसान के लिए
2. थर्ड पार्टी को हुए जानमाल के नुकसान के लिए

वाहन का एक्सीडेंट हो जाने पर आपके वाहन, और जिस से एक्सीडेंट हुआ उस वाहन, की मरम्मत की कीमत बीमा कंपनी द्वारा कवर की जाती है।

अगर किसी एक्सीडेंट में किसी की मौत हो जाती है तो बीमा कंपनी पीड़ित पार्टी को भी मुआवजा देती है।

सरकारी बीमा योजनाएं

सरकार द्वारा दी जाने वाली सारी बीमा योजनाओं में प्रीमियम पर काफी सब्सिडी मिलती है। इसलिए, देश की गरीब जनता के लिए ये सबसे सस्ती बीमा योजनाओं में से एक हैं। इन में से मुख्य योजनाएं नीचे दी गई हैं:

बातचीत

क्या आप में से कोई 60 साल से ज्यादा उम्र के हैं? या 60 के करीब हैं? (हाथ उठाकर जवाब देने को कहें)

क्या आपके पास कोई रिटायरमेंट प्लान है? क्या आपने पेंशन की प्लानिंग की है?

बताएं

पेंशन क्या है?

पेंशन वह रकम है जो किसी व्यक्ति को उसके काम करने की उम्र पार कर जाने के बाद यानी रिटायरमेंट के बाद मिलती है।

पेंशन योजना कैसे काम करती है?

रिटायरमेंट की उम्र (भारत में 60 साल) पार कर जाने के बाद पेंशन चाहने वाले व्यक्ति को हर महीने एक स्थिर रकम पेंशन योजना में जमा करनी होती है। रिटायरमेंट की उम्र हो जाने पर उन्हें पहले से निर्धारित एक रकम हर महीने पेंशन के रूप में मिलनी शुरु हो जाती है।

कुछ सरकारी कर्मचारियों को उनके काम के दौरान उनकी आमदनी के स्लैब के हिसाब से पेंशन मिलती है। महंगाई और सरकारी नीतियों के हिसाब से पेंशन की यह रकम हर 5-6 साल में वृद्धि होती है।

इन योजनाओं के बारे में विस्तार से हम अगले भाग में जानेंगे।

हमने बचत की ताकत को देखा, है न? तो, अगर हम ऐसे अचानक आने वाले खर्चों के लिए पैसा बचा कर रखें और पहले से ही उनके लिए तैयार रहें तो हम बिना किसी की मदद के उन से निपट सकते हैं। जैसे कि, अगर बच्चा गिर जाए और उसे अस्पताल ले जाना पड़े, तो अगर हमने उसका बीमा करवाया है, तो हमें एक

बार में बिना ज्यादा पैसा खर्च किए उसके लिए अच्छा इलाज मिल सकता है, क्योंकि हम बीमा पॉलिसी में छोटे प्रीमियम भरते आ रहे थे।

इसी तरह, अगर आपने रिटायरमेंट के लिए पेंशन के रूप में पैसा जोड़ा रखा है, तो आपको चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर आप काम नहीं भी कर पाते हैं, तो अपने रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने लायक पैसा आपके पास मौजूद होगा और आप बिना किसी के मोहताज हुए इज्जत से अपनी जिंदगी बिता सकते हैं।

किसी भी वयक्ति के लिए यह आवश्यक है कि जब वह अच्छा कमाने की उम्र में हो, तभी से बीमा और पेंशन का इंतजाम करके रखे। बीमा जोखिम को कवर करता है और अचानक आने वाले खर्चों से राहत देता है। पेंशन रिटायर होने के बाद के जोखिम को कवर करता है। कम आमदनी वर्ग के लोगों के लिए सरकारी बीमा और पेंशन प्लान लेना समझदारी होती है, क्योंकि इनके प्रीमियम पर काफी मात्रा में सब्सिडी दी जाती है और इनके फायदे असीमित होते हैं।

अगला →
चरण 3: सरकारी अधिकार

सरकार की कल्याणकारी योजनाएँ

स्वास्थ्य बीमा

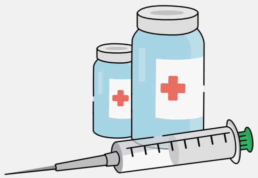

आवास योजनाएँ

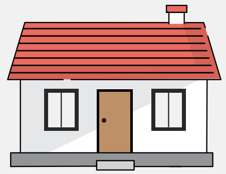

प्रसूति और बच्चे की देखभाल

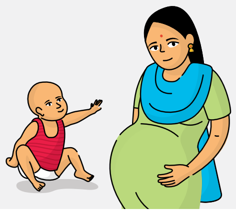

दुर्घटना बीमा

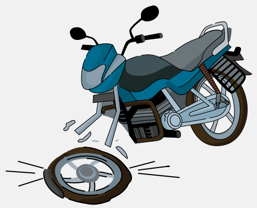

जीवन बीमा

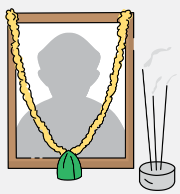

व्यापार ऋण

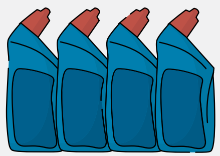

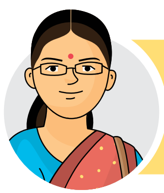

विभिन्न सरकारी योजनाओं को जानें

23

चरण 3 सरकारी योजनाओं के अधिकार

10 मि.

बातचीत

क्या आप में से किसी ने सरकारी योजनाओं का लाभ लिया है? (हाथ उठाकर जवाब मांगें)

आपने कौन सी सरकारी योजनाओं का लाभ लिया है या किन के लिए अप्लाई किया है?

फ्लिप चार्ट पर उत्तर की लिस्ट बनाएं

क्या आपमें से किसी को इन सरकारी योजनाओं को प्राप्त करने में कोई परेशानी आई? (हाथ उठाकर जवाब मांगें)

आइए हम इन सरकारी सुविधाओं पर एक नजर डालते हैं। गरीब लोगों की मदद के लिए सरकार ने बहुत सी योजनाएं चला रखी हैं।

'सरकारी अधिकार' पैनल दिखाएं

बताएं

हमने इस पैनल में देखा और समझा कि बीमा क्या होता है। अलग-अलग तरह के जोखिम के हिसाब से बीमे भी अलग-अलग तरह के होते हैं। हमें स्वास्थ्य, दुर्घटना या जीवन से जुड़े खतरों का सामना करना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य बीमा

यह बीमा बीमित व्यक्ति के लिए होने वाले डॉक्टरी उपचार या ऑपरेशन के खर्चों को वहन करता है। स्वास्थ्य बीमा में बीमारी या चोट लगने जाने पर होने वाले खर्चों के लिए पैसा या तो बीमित व्यक्ति को मिल सकता है या सीधे अस्पताल को दिया जा सकता है।

दुर्घटना बीमा

यह बीमा एक्सीडेंट में चोट लग जाने या मृत्यु हो जाने पर मुआवजा देता है।

दुर्घटना बीमा दुर्घटना में चोट लगने पर मृत्यु हो जाने, हाथ-पैर टूट जाने, अंधे हो जाने, आमदनी खत्म हो जाने और इसमें लगे उपचारिक डॉक्टरी खर्च को कवर करता है। दुर्घटना बीमा वाहनों के लिए भी किया जाता है। यदि एक्सीडेंट में वाहन टूट फूट जाए तो बीमा होने पर उसकी पूरी भरपाई हो जाती है।

मातृत्व और शिशु संभाल योजना

ये योजना कुपोषण के असर को कम करते हुए गर्भवती महिलाओं की सेहत से जुड़े व्यवहार और पोषण को को बेहतर बनाने में मदद कर रही है।19 वर्ष या उससे अधिक की गर्भवती और दूध पिलाने वाली महिलाओं के पहले बच्चे के जन्म के लिए यह एक कंडीशनल कैश ट्रांसफर योजना है।

यह योजना बच्चे के जन्म और देखभाल के दौरान हुए आमदनी के नुकसान की कुछ हद तक भरपाई करती है और सेफडिलीवरी, पोषण और दूध पिलाने की अच्छी परिस्थितियाँ उपलब्ध कराती है।

आवास योजनाएं

ये उन गरीबों की मदद के लिए हैं, जो अपना घर नहीं खरीद सकते। ये गरीबों को किफायती घर खरीदने में मदद करती है। ऐसी कई सरकारी योजनाएं शुरू की गई हैं, जो कम डाउन पेमेंट और कम ब्याज दर पर लोन के साथ गरीब लोगों को घर खरीदने में मदद करती हैं।

जीवन बीमा

यह बीमा पॉलिसी धारक और बीमा करने वाले के बीच एक कॉन्ट्रैक्ट होता है, जहां बीमा करने वाला, बीमित व्यक्ति (ये अक्सरपॉलिसी धारकहोता है) की मौत हो जाने पर,प्रीमियम के बदले लाभार्थी को एक निश्चित मात्रा में रकम का वादा करता है। कॉन्ट्रैक्ट में दी गई शर्तों के हिसाब से, अन्य दूसरी घटनाओं जैसे बड़ी बीमारी या गंभीर बीमारी में भी यह पेमेंट की जा सकती है। पॉलिसी धारक को एक प्रीमियम भरना होता है, जो प्रति महीने भी हो सकता है और एकमुश्त भी। दूसरे खर्च, जैसे अंतिम संस्कार का खर्च, भी इसके लाभों में शामिल किए जा सकते हैं।

बिजनेस लोन

यह लोन खासतौर पर बिजनेस के लिए होता है। बाकी दूसरे क़र्ज़ों की ही तरह, इसमें भी उधार ली गई रकम ब्याज के साथ चुकाई जाती है। बिजनेस लोन कई तरह के हो सकते हैं। स्वयं सहायता समूह में शामिल होने पर ये लोन बैंकों से बहुत कम ब्याज दर पर मिल जाते हैं।

सार पेश करें

अब हम विस्तार से अलग-अलग सरकारी योजनाओं के बारे में जानेंगे।

प्रगति दीदी आपको इन सभी सरकारी योजनाओं के बारे में बताएंगी और यह भी बताएंगी कि उनसे लाभ कैसे लिया जाए।

अगला →
चरण 4: सुरक्षा योजना

चरण 4 सुरक्षा योजनाओं का विवरण?

15 मि.

बताएं

सुरक्षा योजना पैनल दिखाएं।

सुरक्षा योजनाएं सरकार द्वारा दी जा रही सेवाओं का भंडार है।

इसमें कल्याण, सबके स्वास्थ्य की देखभाल, सेहत की देखभाल के अधिकार, मुफ्त शिक्षा, घर का अधिकार, पेंशन, बेघरों के लिए शेल्टर, और कभी कभी सब्सिडी वाली सेवाएं जैसे खाने का राशन, भी शामिल होती हैं, जो लोगों को गरीबी के एक खास स्तर से नीचे गिरने से बचाती हैं। हमें इन सभी सुरक्षा जालों के बारे में जानना चाहिए और उनसे ज्यादा से ज्यादा लाभ लेना चाहिए।

आइये, कुछ सुरक्षा योजनाओं को समझते हैं:

1. प्रधानमंत्री जन धन योजना

प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) वित्तीय समावेशन के लिए एक राष्ट्रीय मिशन है जो इस बात पर जोर देता है कि वित्तीय सेवाएं, जैसे बैंकिंग / बचत और जमा खाते, पैसा भेजना, उधारी, बीमा और पेंशन जैसी सुविधाओं तक हर किसी की पहुंच हो और वह कम से कम खर्च में इन्हें प्राप्त कर सके।

PMJDY खाता एक बिल्कुल सरल बचत जमा बैंक खाता होता है, जिसमें किसी न्यूनतम बैलेंस की जरूरत नहीं होती। इसकी सेवाओं में शामिल हैं - बैंक की ब्रांच में पैसा जमा करने और निकालने की सुविधा और ATM, इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट माध्यमों द्वारा पाने/क्रेडिट करने या चेक इकट्ठे करने / जमा करने औरों के द्वारा पैसा डालने और निकालने की सुविधा। ATM को मिलाकर एक महीने में चार बार पैसा निकाला जा सकता है। जमा करने के लिए ऐसी कोई लिमिट नहीं है। ATM कार्ड या ATM-कम-वन-टाइम-मैंडेट नाम की सुविधा भी मिलती है, जिससे स्कीम के चालू रहने तक हर साल ऑटो-डेबिट मिलता है, जो कि री-कैलिब्रेशन डेबिट कार्ड के तहत होता है। ये सब सुविधाएं बिना किसी एक्स्ट्रा कीमत के दी जाती हैं।

इस तरह सरकार ने PMJDY द्वारा हर किसी को बैंक खाता खोलने की सुविधा दी है। अगर आपके पास अभी तक बैंक खाता नहीं है तो आज ही अपने नजदीकी बैंक में जाएं।

प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) के तहत लाइफ कवर

खास बातें
Rupay एटीएम-कम-डेबिट कार्डमें 1 लाख का दुर्घटना बीमा कवर और 30,000 का जीवन बीमा कवर पहले से ही मौजूद होता है।

शुल्क
कुछ नहीं

इसे कौन लोग ले सकते हैं
समाज के आर्थिक रूप से कमजोर तबके का कोई भी व्यक्ति। क्योंकि आगे आने वाली सारी कल्याण और सब्सिडी योजनाएं इससे लिंक की जाने वाली हैं इसलिए इसे लेना आपके के लिए बहुत जरूरी है।

इसे किसे लेना चाहिए
उन सभी लोगों को जो असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं।

2. प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना

खास बातें
₹2,00,000 का दुर्घटना से मौत और अपंगता कवर

शुल्क
₹12 हर साल का प्रीमियम

इसे किसे लेना चाहिए
कोई भी व्यक्ति जिसका ऐसे किसी बैंक में बचत खाता है, वह ये स्कीम का लाभ ले सकता है। वार्षिक प्रीमियम सीधे डेबिट किया जाता है। पक्का करें कि जब प्रीमियम देने का समय हो तो आपके बैंक खाते में इतनी रकम मौजूद हो (प्रीमियमकी तारीख को याद रखें)।

किन लोगों को इसे लेना चाहिए
वैसे तो यह योजना हर किसी के लिए है, लेकिन विशेषकर दैनिक मजदूरी वाले लोगों, ड्राइवरों, सिक्योरिटी गार्ड, अखबार बांटने वाले, सब्जी बेचने वाले और ऐसे ही दूसरे किसी व्यक्तिको लेना चाहिए, जिन्हें दुर्घटना के कारण मृत्यु या अपंग हो जाने का खतरा ज्यादा होता है।

3. प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना

यह योजना एक साल की कवर अवधि वाली जीवन बीमा योजना है, जिसे प्रति वर्ष रिन्यू किया जाता है, और यह किसी भी कारण से मृत्यु होने पर जीवन बीमा कवर देती है। प्रीमियम देने वाले की किसी भी कारण से मृत्यु हो जाने पर ₹2,00,000 मिलते हैं। हर सब्सक्राइबर के लिए हर साल ₹330 का प्रीमियम भरना होता है। पॉलिसी लेते वक्त दी गई रजामंदी के अनुसार यह प्रीमियम खाता धारक के बैंक खाते से ऑटोमेटिक तरीके से एक किश्त के रूप में ले लिया जाता है। जब तक योजना चालू रहती है, सदस्य हर साल के ऑटोडेबिट के लिए एक बार अधिकार भी दे सकते हैं।

इसे कौन लोग ले सकते हैं
18 से 70 साल की उम्र के बीच का कोई भी व्यक्ति, जिसका इस योजना को ऑफर करने वाले किसी भी बैंक में बचत खाता हो।

किन लोगों को इसे लेना चाहिए
यह आपके परिवार के हर उस सदस्य के लिए जरूरी है, जो अपने परिवार में अकेला कमाने वाला है।

आप इसे कहां से ले सकते हैं
जिस भी बैंक में आपका बचत खाता है, आप वहां से PMJJBY ले सकते हैं। सालाना प्रीमियम को सीधे डेबिट किया जाता है। पक्का करें कि जब प्रीमियम देने का समय हो तो आपके बैंक खाते में इतनी रकम मौजूद हो (प्रीमियमकी तारीख को याद रखें)।

4. प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY)

PM-JAY सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजनादूसरे और तीसरेस्तर के इलाज के लिएहर साल हर परिवार के लिए ₹5,00,000 तक का बीमा कवर देती है।संबंधित राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में PM-JAY के लागू होने के पहले दिन से ही सारीपहले-से-मौजूद कंडीशन कवर की जाती हैं।

इस योजना के तहत कवर की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं में अस्पताल में दाखिल होने के खर्च,ऑपरेशन का खर्च, उसके बाद की देखभाल, अस्पताल में दाखिल होने से पहले और बाद के खर्चे और नवजात शिशुओं / बच्चों की देखभाल के खर्च शामिल हैं। जिन परिवारों के नाम लिस्ट में हैं, केवल वही PM-JAY योजना का लाभ उठा सकते हैं।

साथ ही, कोई भी परिवार जिसके पास 28 फरवरी,2018या उसके बाद का एक्टिव RSBY कार्ड है, उसे भी कवर किया जाता है। परिवार में सदस्यों की संख्या या सदस्यों की उम्र की कोई सीमा नहीं है, जिसके कारण परिवार के हर सदस्य, खास करके लड़कियों और सीनियर सिटीजनों, को भी कवरेज की सहूलियत मिलती है। लाभार्थी किसी भी जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 14555 पर कॉल कर सकते हैं।

PM-JAY एक अधिकार आधारित योजना है। इसके लिए कोई रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया नहीं है।शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में, SECC के आंकड़ों के आधार पर निर्धारित किए गए अभाव और रोजगार के मानदंडों के अनुसार, सरकार द्वारा पहचान किए गए परिवार PM-JAY योजना के हकदार हैं। इस योजना के हकदार परिवारों की लिस्ट सभी राज्य सरकारों और संबन्धित इलाकों के एएनएम/ बीएमओ/ बीडीओ को भी भेजी जाती है।

5. अटल पेंशन योजना

यह क्या लाभ देती है

हर महीने 1000 से ₹5000 के बीच पेंशन

इसकी लागत क्या है

₹1000 महीने की पेंशन पाने के लिए 40 वर्ष के निवेशक को 20 साल तक ₹291 हर महीने जमा करने होते हैं, जबकि 18 साल के निवेशक को 40 साल तक ₹42 हर महीने जमा करने होते हैं।

इसे किसे लेना चाहिए

18 से 40 वर्ष की उम्र का हर व्यक्ति, जिसे 60 साल की उम्र तक यह पैसा भरना होगा।

किन लोगों को इसे लेना चाहिए

18 से 40 साल के बीच के सभी लोग, जो 60 साल की उम्र के बाद एक छोटी पेंशन पाना चाहते हैं।

APY खाता खोलने की क्या प्रक्रिया है?

1. जिस बैंक की शाखा में आपका बचत खाता खुला हुआ है, वहां जाएं।
2. APYका रजिस्ट्रेशनफॉर्म भरें।
3. अपना आधार या मोबाइल नंबर दें।
4. हर महीने रकम जमा होती रहे, इसके लिए ध्यान रखें कि आपके बचत खाते में उतना बैलेंस मौजूद रहे।

APY में शामिल होने के लिए बचत खाता होना जरूरी है।

मैं APY में कितना निवेश करूं, जिससे मुझे ₹1000 की पेंशन गारंटी से मिल सके?

शामिल होने की उम्र	निवेश के साल	हर माह जमा होने वाली रकम
18	42	42
20	40	50
25	35	76
30	30	116
35	25	181
40	20	291

ये सारे किश्त निवेशक के बचत बैंक खाते से हर महीने ऑटो-डेबिट किया जाता है।

कल्याण योजनाएँ

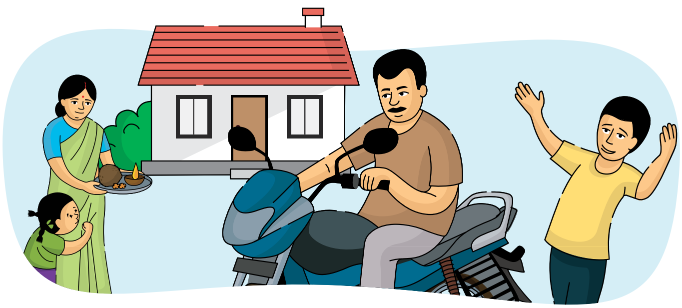

सभी के लिए घर

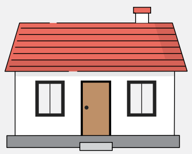

प्रधानमंत्री आवास योजना

सभी के लिए एल पी जी

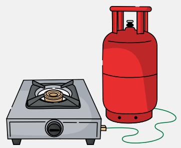

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

सभी के लिए बिजली

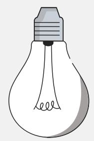

सौभाग्य

गर्भवती महिलाओं के लिए ₹ 6,000

मातृत्व लाभ

शौचालय का निर्माण

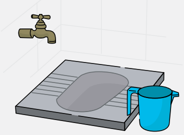

व्यक्तिगत शौचालय

बच्चों का टीकाकरण

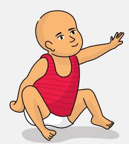

पोषण

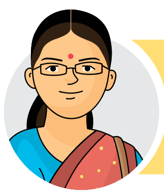

सभी के लिए बेहतर जीवन

25

चरण 5 कल्याण योजनाएं

15 मि.

बातचीत

आप में से कितने लोगों के पास अपना घर है?

क्या आपको आवास,एलपीजी,टॉयलेट,जच्चा-बच्चा लाभ, बिजली और बच्चों के पोषण से जुड़ी सरकारी योजनाओं के बारे में मालूम है?

'कल्याण योजनाएं' पैनल दिखाएं।

आप में से कितने लोग हाउसिंग स्कीमों के बारे में जानना चाहते हैं?

उन्हें जवाब देने दें

अब मैं आपको कुछ कल्याण योजनाओं के बारे में बताऊंगी।

1. प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY) (शहरी)

'2022 तक सबके लिए घर' के लक्ष्य के साथ, सरकार ने **'प्रधानमंत्री आवास योजना - सबके लिए घर (शहरी)'** नाम का एक मेन प्रोग्राम शुरू किया है, जो शहरी गरीबों को अपनी घर देने के लिए बनाई गई है। PMAY का लक्ष्य बुनियादी सुविधाओं वाले दो करोड़ घर तैयार करना है।

लाभ

स्लम बस्तियों का 'उसी जगह' पुनरुद्धार

1. निजी डेवलपरके साथ मिलकर ज़मीन को रिसोर्स की तरह उपयोग करते हुए स्लमों के दोबारा विकास के लिए हर घर के लिए ₹1,00,000 की अनुदान की रकम तय की गई है जो उन स्लम निवासियों के लिए बनाए जाएंगे, जो इसके हकदार हैं।
2. अनुदान की यह रकम राज्य या केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारें स्लम पुनरुद्धार के किन्हीं भी प्रोजेक्ट्स में इस्तेमाल कर सकती हैं।
3. पुनरुद्धार के बाद राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों द्वारा स्लमों का डी-नोटिफिकेशन किया जाएगा।

क्रेडिट से जुड़ी सब्सीडी योजना:

1. ईडब्ल्यूएस / एलआईजी घरों में केंद्रीय सहायता के रूप में नए निर्माण (पुनर्खरीद सहित) और मौजूदा घर में कमरों, रसोई, शौचालय, आदि जोड़ने के लिए 6 लाख रुपए तक के होम लोन पर 6.5% ब्याज सब्सिडी दी जाती है। इसे वृद्धिशील आवास के रूप में ईडब्ल्यूएस घरों के लिए (वार्षिक आमदनी 3,00,000 रुपये तक, घर का कार्पेट एरिया 30 वर्ग मीटर तक) और एलआईजी घरों के लिए (वार्षिक आमदनी रु.300,001-6,00,000 के बीच; घर का कार्पेट एरिया 60 वर्ग मीटर तक) दिया जाता है।
2. एमआईजी -1 घरों के लिए केंद्रीय सहायता के रूप में 9 लाख रुपए तक के होम लोन पर 4% ब्याज सब्सिडी दी जाती है, जिसका लाभ एमआईजी -1 घरों में नए निर्माण (पुनर्खरीद सहित) के लिए(वार्षिक आमदनी रु.6,00,001- 12,00,000 के बीच, घर का कार्पेट एरिया 90 वर्ग मीटर तक) उठाया जा सकता है।
3. एमआईजी - II घरों के लिए केंद्रीय सहायता के रूप में 12 लाख रुपए तक के होम लोन पर 3% ब्याज सब्सिडी दी जाती है, जिसका लाभ एमआईजी -II घरों में नए निर्माण (पुनर्खरीद सहित) के लिए (वार्षिक आमदनी Rs.12,00,001 - 18,00,000 के बीच; घर का कार्पेट एरिया 110 वर्ग मीटर तक) उठाया जा सकता है।

सार्वजनिक या निजी क्षेत्र के साथ भागीदारी में किफायती आवास:

1. भारत सरकार द्वारा हर ईडब्ल्यूएस घर के लिए रु.1.5 लाख की केंद्रीय सहायता दी जाती है।
2. प्रोजेक्ट में ईडब्ल्यूएस श्रेणी के प्रत्येक लाभार्थी-प्रेरित घर के निर्माण / संवर्धन के लिए कम से कम 35% घर होने चाहिए:

लाभार्थी-प्रेरित व्यक्तिगत आवास निर्माण/संवर्धन

1. रु.1.5 लाख की केंद्रीय सहायता व्यक्तिगत ईडब्ल्यूएस हकदार परिवारों के लिए उपलब्ध है।

हकदारी कीकवरेज:

1. जनगणना 2011 के अनुसार सभी वैधानिक शहर और बाद में अधिसूचित किए गए शहर।
2. यदि नागरिक स्लम से है: ISSR ('उसी जगह' स्लम पुनर्वास घटक)
3. यदि नागरिक गैर स्लम से है:
   a. उसकी खुद की जमीन है और निर्माण में रुचि है: लाभार्थी-प्रेरित निर्माण बीएलसी (नया निर्माण) अगर मौजूदा ढांचा कच्चा है या उसका कुछ हिस्सा पक्का है,बीएलसी (संवर्धन) यदि मौजूदा ढांचा पक्का है और वृद्धि के बाद न्यूनतम 9 वर्गमीटर का संवर्धन या अधिकतम एरिया 30 वर्गमीटर से ज़्यादा नहीं होना चाहिए।
   b. आवास लोन का उपयोग करके घर का निर्माण / खरीद / संवर्धन कर सकते हैं: CLSS क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना चुनें। भागीदारी AHP घटक में रहने योग्य आवास

4. आमदनी मानदंड:

   घरेलू आमदनी

   a. 0-25000 प्रति माह: किसी भी घटक का चयन किया जा सकता है
   b. 25001-50000 प्रति माह: केवल CLSS ईडब्ल्यूएस / एलआईजी घटक का चयन किया जा सकता है
   c. 50001 -1,00,000 प्रति माह: CLSS एमआईजी-I
   d. 1,00,001 -1,50,000 प्रति माह: CLSS एमआईजी-I I

आवेदन कहाँ करें:

1. ऑनलाइन आवेदन:
   a. हकदार लाभार्थियों द्वारा मंत्रालय की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण भी किया जा सकता है। वेबसाइट पर फॉर्मhttp://www.pmaymis.gov.in/-पर उपलब्ध है। किसी भी प्रकार का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। कृपया ध्यान दें कि 50,000 से अधिक मासिक आमदनी वालों के लिए फार्म नहीं भरा जा सकता। हालांकि, क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना चुनने वाले संभावित लाभार्थियों से अनुरोध किया जाता है कि वे http://www.mhupa.gov.in/User_Panel/UserView.aspp?dypeID=1499 पर दी गई सूची के अनुसार अपनी पसंद और स्थान के बैंक / HFC से संपर्क करें।
   b. लाभार्थी की हिस्सेदारी यूएलबी / नगर पालिका द्वारा बताई जाएगी यदि आपको योजना के अंतर्गत लाभ दिया गया है। फिलहाल यह केवल इच्छुक आवेदकों के लिए आवेदन है।
2. ऑफलाइन आवेदन:
   a. पंजीकरण की सुविधा राज्य / केन्द्रशासित प्रदेशों द्वारा अपने कॉमन सर्विस सेंटर्स (CSCs) में रु.25 / - (केवल पच्चीस रुपए) एवं सर्विस टैक्स के नाममात्र शुल्क पर दी जाती है।
   b. बी.सीएससी लोकेटरhttp://www.apnacsconline.in/csc-locator/ पर उपलब्ध

ज़रूरी दस्तावेज़:

किसी भी नागरिक के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के लिए आधार नंबर अनिवार्य है। कृपया नजदीकी सीएससी से आधार नंबर प्राप्त करें। सीएससीलोकेटरhttp://www.apnacsconline.in/csc-locator/ पर उपलब्ध

शिकायतें:

1. CLSS हेल्प लाइन नंबर हैं: CLSS के लिए हेल्प लाइन नंबर: NHB: 1800-11-3377, 1800-11-3388, हुडको: 1800-11-6163
2. अपनी नगरपालिका के उस विभाग से संपर्क करें जो PMAY (U) का प्रभारी है।

बातचीत

आप में से कितने लोगों के घरों में खाना पकाने की गैस की सुविधा मौजूद है?

कितने लोग अभी भी खाना पकाने के लिए लकड़ी या गोबर का इस्तेमाल करते हैं? क्या आपको गैस की सुविधा देने वाली सरकारी योजनाओं के बारे में मालूम है?

2. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY)

मुफ्त में एलपीजी कनेक्शन देने की योजना का यह सरकार का मुख्य प्रोग्राम है। इस योजना का लक्ष्य साल 2020 तक आठ करोड़ परिवारों को फ्री एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराना है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना भारत सरकार की 1 मई 2016 को शुरू की गई बहुत ही महत्वाकांक्षी सामाजिक कल्याण योजना है। इस योजना के अंतर्गत सरकार का उद्देश्य देश के बीपीएल घरों को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराना है। उज्ज्वला योजना पूरे देश में बीपीएल घरों (गरीबी रेखा से नीचे रह रहे घरों) में, महिलाओं के नाम पर 5 करोड़ एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखती है।

वेबसाइट
www.pmujjwalayojana.com

जिला नोडल अफसर
http://www.pmujjwalayojana.com/downloads/DNOs%20List.xls

टोलफ्री नंबर
1800 266 6696

योजना के उद्देश्य और फायदे
1. औरतों को मजबूत बनाना और उनकी सेहत की सुरक्षा
2. इंधन/कोयले से खाना पकाने से जुड़े सेहत संबंधी खतरों को कम करना
3. गंदे इंधन के कारण होने वाली मृत्यु की संख्या में कमी
4. ईंधन/कोयले को जलाने के कारण घर के भीतर हुए प्रदूषण से पैदा होने वाले श्वसन संबंधी रोगों से छोटे बच्चों की सुरक्षा

कौन इसका फायदा ले सकते हैं
स्कीम का लाभ लेने के लिए येशर्तें पूरी होना जरूरी है:
1. आवेदक का नाम SECC-2011 के आंकड़ों की लिस्ट में मौजूद होना चाहिए
2. लाभ ले सकने वाली बीपीएल परिवारों की पहचान SECC-2011 के लिस्ट के अनुसार की जाएगी
3. आवेदक 18 वर्ष से ज्यादा उम्र की कोई महिला होनी चाहिए
4. उस महिला को बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) परिवार से होना चाहिए
5. महिला आवेदक का देश के किसी भी राष्ट्रीय कृत बैंक में बचत खाता होना जरूरी है
6. आवेदक के घर में पहले से ही परिवार के किसी भी सदस्य के नाम पर एलपीजी कनेक्शन मौजूद नहीं होना चाहिए
7. योजना का हकदार होने के लिए विस्तृत ब्यौरा यहां देखें: http://www.pmujjwalayojana.in/pradhan- mantri-ujjwala-yojana-eligibility-criteria/

अप्लाई कैसे करें
1. उज्जवला योजना का दो पेज का केवाईसी एप्लीकेशन फॉर्म भरें
2. उज्जवला योजना का एप्लीकेशन फॉर्म डाउनलोड करने के लिए यहां क्लिक करें
3. एप्लीकेशन फॉर्म को भरने के लिए बेसिक ब्यौरे वगैरह की जरूरत होगी, जैसे - नाम, संपर्क का ब्यौरा, जनधन या बैंक खाते का नंबर, आधार कार्ड का नंबर आदि।
4. यह बताएं कि आपको कौन सा सिलेंडर चाहिए 14.2 किलो का या 5 किलो का
5. फोन के साथ दूसरे जरूरी दस्तावेज लगाए
6. अपने नजदीकी एलपीजी केंद्र पर यह भरा हुआ फॉर्म जरूरी दस्तावेजों के साथ जमा करें

जरूरी दस्तावेज
1. भरे हुए एप्लीकेशनफॉर्म के साथ पेश किए जाने वाले जरूरी दस्तावेजों की लिस्ट यहां दी गई है:
2. पंचायत प्रधान / म्युनिसिपालिटी के चेयरमैन द्वारा ऑथराइज किया गया बीपीएल प्रमाण पत्र
3. बीपीएल राशन कार्ड
4. एक फोटो आईडी (आधार कार्ड या वोटर आईडी कार्ड)
5. हाल में लिया गया एक पासपोर्ट साइज फोटो
6. उज्जवला योजना की एप्लीकेशन के साथ जरूरत पड़ने पर जो दस्तावेज नत्थी किए जा सकते हैं उनकी पूरी लिस्ट यहां देखें।

3. सौभाग्य योजना

25 सितंबर 2017 को शुरू की गई ये योजना, देश में हर घर में बिजली देने के लिए शुरू की गई है। ईसका उद्देश्य है, देश के दूरदराज़ तक के ग्रामीण और शहरी इलाकों के उन सभी घरों में, जहां बिजली नहीं है, बिजली कनेक्शन पहुंचाना और उस तक सबकी पहुंच बनाना।

योजना का उद्देश्य है 2019 तक पूरे देश में हर घर में बिजली का कनेक्शन पहुंचा कर सबके लिए 24x7 बिजली उपलब्ध कराना।

योजना के फायदे और खास बातें

1. सौभाग्य योजना के अंतर्गत बिजली का कनेक्शन पाने के लिए कोई फीस या शुल्क नहीं लिया जाता
2. गैर गरीब घरों को हर महीने के बिल के साथ ₹50 की 10 किस्तें चुकानी होंगी (कुल ₹500)।
3. बिजली कनेक्शन पाने के लिए आधार नंबर होना अनिवार्य है
4. सौभाग्य योजना के तहत, बिजली के कनेक्शन घर के सबसे नजदीकी खंभे से बिजली के तार खींच कर दिए जाएंगे, जरूरत पड़ने पर खंभे, कंडक्टर आदि लगाये भी जाएंगे।
5. इसमें बिजली के मीटर और सिंगल प्वाइंट वायरिंग के साथ एक एलइडीबल्ब, मोबाइल चार्ज करने के पॉइंट और स्विच वगैरह लगाना भी शामिल है, जिसके लिए उपयोग करने वाले को कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा।
6. हालांकि,यदि कोई बिजली के ज्यादा पॉइंट लेना चाहे, तो उसके लिए एक्स्ट्रा तारों और उपकरणों का इंतजाम उन्हें अपने आप करना होगा।
7. हर घर और उपभोक्ता को मीटर की रीडिंग के अनुसार DISCOM के रेट के हिसाब से उपयोग की गई बिजली का भुगतान करना होगा।
8. किसी भी वर्ग के लोगों के लिए मुफ्त में बिजली उपलब्ध कराने का योजना में कोई प्रावधान नहीं है।
9. दूरदराज के और मुश्किल से पहुंचे जा सकने वाले इलाकों में, जहां बिजली का ग्रिड लगाना संभव नहीं है या उसकी लागत बहुतज्यादा है,एसपीवी पर आधारित स्वचालित सिस्टम मुहैया कराए जायेंगे।ऐसे हर घर को 5 एलईडीबल्ब, एक डीसी पंखा और एक डीसी पावर प्लग मुफ्त दिया जाएगा।

कौन लोग इसका लाभ ले सकते हैं

1. योजना की गाइड लाइन के अनुसार गांवों एवं शहरों के सभी ऐसे घर, जहां बिजली नहीं है तथा साथ ही शहरों के भी वे सभी गरीब घर, जहां बिजली नहीं है, बिजली कनेक्शन की इस योजना का फायदा उठा सकते हैं।
2. यदि किसी घर का बिजली का पुराना कनेक्शन बिजली का बिल नहीं चुका पाने के कारण काट दिया गया है या वर्तमान में उन पर बिल की कोई राशि बकाया है, तो ऐसे लोग सौभाग्य के तहत बिजली के नए कनेक्शन के हकदार नहीं होंगे।

सौभाग्य के लिए अप्लाई कैसे किया जाए

1. हर एरिया की DISCOM गांवों/क्लस्टर गांवों में समय-समय पर कैंप लगाती है और लगाने से पहले इनके बारे में अच्छी खासी पब्लिसिटी की जाती है।
2. लोगों को सिर्फ इन कैंपों में DISCOMके अफसरों से मिलकर बात करनी होती है और कनेक्शन के लिए एप्लीकेशन वहीं रजिस्टर कर दी जाती है।
3. DISCOM के द्वारा वेरिफिकेशन के बाद बिजली का कनेक्शन अक्सरवहींअलॉट कर दिया जाता है
4. कैंप के बारे में जरूरी बातें पता करने के लिए अपने नजदीकी DISCOMऑफिस से भी जानकारी ली जा सकती है।

जरूरी कागजात

आपकी पहचान का कोई भी प्रूफ, जैसे वोटर आईडी, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड या आधार कार्ड वगैरह बिजली के कनेक्शन के लिए अप्लाई करने के लिए पर्याप्त है।

4. प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

- 1 जनवरी 2017 से देश के सभी जिलों में मेटरनिटी लाभ प्रोग्राम शुरू किया गया है। इस प्रोग्राम का नाम प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) रखा गया है। PMMVY के अंतर्गत परिवार में पैदा होने वाले पहले बच्चे के लिए, गर्भवती और दूध पिलाने वाली महिलाओं (PW&LM) के बैंक/पोस्ट ऑफिस खाते में सीधे ₹5000 की रकम जमा कराई जाती है, जिसके लिए मां और बच्चे की सेहत से जुड़ी कुछ शर्तें पूरी करनी होती हैं।
- PMMVY को 'महिला एवं बाल विकास विभाग'/'समाज कल्याण विभाग' के माध्यम से लागू करने वाले राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में इसे 'महिला और बाल विकास मंत्रालय' के तहत 'छाता आईसीडीएस' की आंगनवाड़ी सेवा योजना के मंच का उपयोग करते हुए लागू किया जाता है। 'स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग' द्वारा इसे चलाने वाले राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में यह योजना स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से लागू की जाती है।
- PMMVY एक केंद्रीयकृत वेब आधारित एमआईएस सॉफ्टवेयर ऐप के माध्यम से लागू की जाती है और कार्यान्वयन का केंद्र बिंदु आंगनवाड़ी केंद्र (AWC) और आशा / एएनएम कार्यकर्ता होंगे।

5. पोषण योजना

पोषण योजना का लक्ष्य 2017-18 से शुरू होने वाले अगले तीन वर्षों के दौरान 0-6 वर्षके बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के पोषण की स्थिति में सुधार करना है। अपने लक्ष्य को पाने के माध्यम से यह कार्यक्रम स्टंटिंगके स्तर, कुपोषण, एनीमिया और जन्म के समय शिशुओं का वज़न होने जैसी समस्याओं को कम करने का प्रयास करेगा।

यह योजना पोषण स्तर को बढ़ाने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण है जिसे निपटने के लिए युद्धस्तर पर देश। कार्यक्रम के तहत उपलब्ध लाभ हैं:

किशोर पोषण: एनीमिया की जांच, सूक्ष्म-पोषक तत्व पूरकता, पेट के कीड़े मारना, पोषण स्वास्थ्य शिक्षा

मातृ पोषण: सूक्ष्म-पोषक तत्व पूरकता (आयरन और फोलिकएसिड, कैल्शियम और पेट के कीड़े मारना), पोषण परामर्श, परिवार नियोजन

बाल पोषण: टीकाकरण, स्तनपान को बढ़ावा देना और उम्र के अनुसार पूरक आहार, पेट के कीड़े मारना, दस्त के दौरान जिंक अनुपूरक

लाभ कैसे प्राप्त करें: आशा या आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या अपने निकटतम स्वास्थ्य देखभाल केंद्र से संपर्क करें।

6. व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (IIHL) योजना

गरीब परिवारों को शौचालय निर्माण के लिए प्रोत्साहन के रूप में कुछ सब्सिडी दी जाती है। प्रमुख हस्तक्षेप क्षेत्रों की पहचान व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (IHHL), स्कूल स्वच्छता और हाइजीन शिक्षा, सामुदायिक स्वच्छता परिसर और आंगनवाड़ी शौचालयों के रूप में की गई है।

व्यक्तिगत शौचालयों के लिए राज्य न्यूनतम 2,667 रुपये प्रति IHHL का योगदान देगा, जो 4,000 रुपये प्रति IHHLकी केंद्रीय सहायता के साथ जुड़ जाएगा। बिना विधान सभा वाले केंद्र शासित प्रदेशों के लिए, केंद्रका हिस्सा 100% (4000 रुपये प्रति IHHL) होगा और केंद्र शासित प्रदेश की सरकार का 1333 रुपये का हिस्सा भी केंद्र द्वारा वहन किया जाएगा। विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेशों के लिए, केंद्र का हिस्सा प्रति IHHL 4,000 रुपये और केंद्र शासित प्रदेश का हिस्सा 1,333 रुपये प्रति IHHL होगा। उत्तर पूर्वी और हिमालयी राज्यों के लिए, केंद्र का हिस्सा 10,800 प्रति IHHL रुपये और राज्य का हिस्सा 1,200 रुपये प्रति IHHL होगा।

घरेलू शौचालय के निर्माण के अंतिम सत्यापन को स्थान-आधारित तकनीकों द्वारा सपोर्ट किया जाना चाहिए, जिसमें आवेदक के साथ-साथ, निर्माण की स्वयं-सत्यापित जियो-टैग की गई तस्वीरें भी निकाली जाती हैं। इन तस्वीरों को SBM (शहरी) MIS पर अपलोड किया जाना चाहिए और ULB और राज्यों द्वारा इन्हें मॉनिटर किया जाना चाहिए।

सभी वित्तीय प्रोत्साहन सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों (प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत खोले गए खातों सहित) में (इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सेवा द्वारा) जमा किए जाएंगे।

सभी भारतीय नागरिक IHHL योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र भर सकते हैं। उसके बाद स्थानीय निकाय का संबंधित अधिकारी आवेदन को सत्यापित करेगा और शौचालय बनाने के लिए धनराशि लाभार्थी के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी।

IHHL आवेदन भरने के लिए ज़रूरी चीज़ें

1. आवेदक के फोटो की स्कैन की गई कॉपी (अनिवार्य)
2. बैंक खाते का विवरण (अनिवार्य)
3. बैंक की पासबुक के पहले पेज की स्कैन की गई कॉपी, जो खाते का विवरण दिखाती हो (अनिवार्य)
4. यदि आवेदक के पास आधार नंबर नहीं है तो आधार की आवेदन स्लिप की जरूरत होती है

अप्लाईकरने के लिए पोर्टल

http://swachhbharaturban.gov.in/ihhl/

सार पेश करें

हमने सरकार द्वारा चलाई जा रही अलग-अलग कल्याण योजनाओं के बारे में जाना जो हमें एक बेहतर जीवन जीने में मदद करती हैं। प्रगति दीदी कहती हैं, **सरकारी योजनाओं से लाभ ले और अपनी जीवनशैली को बेहतर करें**।

अगला →
चरण 6: बिज़नेस लोन

व्यवसायिक ऋण

₹ 10,00,000

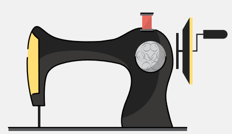

मुद्रा

₹ 25,00,000

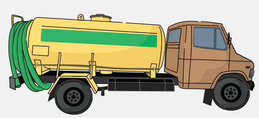

प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम

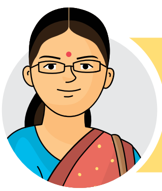

सरकारी योजनाओं से किफायती ब्याज दरों पर ऋण प्राप्त करें

26

चरण 6 बिजनेस लोन

15 मि.

बातचीत

आप में से कितने लोग अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं?

हम देखेंगे कि विभिन्न सरकारी योजनाओं से लोन कैसे पाया जा सकता है। **'बिजनेस लोन'** पैनल दिखाएं

1. प्रधान मंत्री मुद्रा योजना (PMMY)

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY) के अंतर्गत, MUDRA ने उत्पाद / योजनाएँ बनाई हैं। लाभार्थी माइक्रो यूनिट/उद्यमी के बढ़ोतरी/विकास और पैसे की जरूरतों के चरण को दिखाने के लिए उसकी अलग-अलग स्टेजों को 'शिशु', 'किशोर' और 'तरुण' नाम दिया गया है, जो आगे बढ़ने के लिए स्नातक/वृद्धि के अगले चरण के लिए एक संदर्भ बिंदु भी प्रदान करता है।

शिशु
₹50000 तक के लोन कवर करती है

किशोर
₹50000 से लेकर ₹500000 तक के लोन कवर करती है

तरुण
₹500000 से ₹1000000 तक के लोन कवर करती है

लोन कैसे पाएं
मुद्रा लोन के लिए अपनी नजदीकी बैंक शाखा से संपर्क करें

2. PMEGP योजना

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उधम मंत्रालय द्वारा चलाया जा रहा क्रेडिट से जुड़ा एक सब्सिडी प्रोग्राम है। खादी और ग्रामीण उद्योग कमिशन (KVIC)इस योजना को लागू करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की नोडल एजेंसी है। राज्य स्तर पर यह योजना KVIC,KVIB और जिला उद्योग सेंटर द्वारा लागू की जाती है।

यह योजना ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों मेंमाइक्रो उद्योग सेक्टर के तहत सभी व्यावहारिक (तकनीकी और आर्थिक रूप से) प्रोजेक्ट्स के लिए लागू होती है।

निर्माण सेक्टर में स्वीकार करने योग्य प्रोजेक्ट की लागत अधिकतम 25,00,000 रुपए है और बिजनेस या सर्विस सेक्टर में यह ₹10,00,000 है।

इस योजना के अनुसार परिवार का केवल 1 सदस्य आर्थिक सहायता पाने का हकदार है।

इस योजना के अंतर्गत सहायता केवल नए प्रोजेक्ट्सके लिए है

इस योजना के अनुसार सहायता उन गतिविधियों के लिए लागू नहीं होती, जिन्हें योजना की निगेटिव लिस्ट में रखा गया है।

सार पेश करें

प्रगति दीदी कहती हैं, **हमें स्मार्ट बनना चाहिए और सरकारी योजनाओं से कम ब्याज दरों पर लोन लेना चाहिए**।

अगला →
चरण 7: सफाई कर्मचारियों के लिए लोन

सफाई कर्मचारी के लिए ऋण

₹ 15,00,000

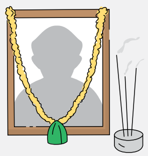

टर्म लोन

लघु व्यवसाय के लिए ₹ 60,000

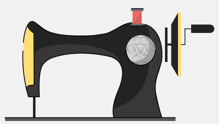

माइक्रो क्रेडिट

व्यवसाय के लिए ₹ 60,000

महिला समृद्धि योजना

व्यवसाय के लिए ₹ 1,00,000

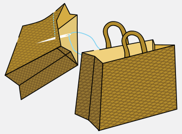

महिला अधिकारिता योजना

शिक्षा के लिए ₹ 10,00,000

शिक्षा लोन

पे अँड यूस निर्माण ₹ 25,00,000

स्वच्छता उद्यमी योजना

सेनीटरी मार्ट हेतु ₹ 15,00,000

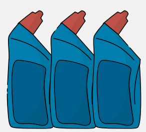

स्वच्छता मार्ट योजना

हरित व्यवसाय हेतु ₹ 2,00,000

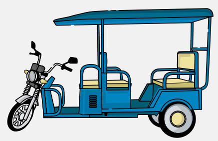

हरित व्यवसाय योजना

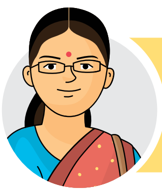

सफाई कर्मचारियों के लिए ब्याज की कम दरों पर ऋण

27

चरण 7 सफाई कर्मचारियों के लिए लोन

15 मि.

बातचीत

आप में से कितने लोग सफाई कर्मचारी हैं?

सभी सफाई कर्मचारी अलग-अलग कार्यक्रमों के लिए चलाई जा रही अलग-अलग सरकारी योजनाओं के तहत लोन पाने के हकदार हैं। हम जानेंगे कि ये प्रोग्राम क्या हैं, जिनसे आप फायदा उठा सकते हैं।

1. टर्म लोन (TL)

इस योजना के तहत, राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों (SCAs) के माध्यम से टार्गेट ग्रुप्स को टर्म लोन दिया जाता है। इन एजेंसियों की राज्यवार सूची NSKFDC की वेबसाइट पर उपलब्ध है। स्वच्छता संबंधी गतिविधियों सहित आमदनी पैदा करने वाली किन्हीं भी व्यावहारिक योजनाओं के लिए कर्ज़ की अधिकतम सीमा रु. 15 लाख प्रति यूनिट है।

रु. 2 लाख तक की लागत वाले प्रोजेक्ट के लिए प्रमोटर के योगदान पर जोर नहीं दिया जाता है। रु. 2 लाख से अधिक लागत के प्रोजेक्ट के लिए, NSKFDC को लाभार्थियों से प्रमोटर का न्यूनतम 5% योगदान चाहिए होता है।

टर्म लोन यूनिट लागत के अधिकतम 90% तक दिया जा सकता है और बाकी10% राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों द्वारा कर्ज़, सब्सिडी और प्रमोटर के योगदान, यदि कोई हो, और धन के अन्य सभी उपलब्ध स्रोतों के रूप में दिया जाता है।

NSKFDC से प्रति प्रोजेक्ट/यूनिट लोन की राशि	इनसे लिया जाने वाला ब्याज	
	SCA	लाभार्थी
रु. 15.00 लाख तक*	3% p.a.	6% p.a.

पुनर्भुगतान की अवधि

लोन मिलने की तारीख से 6 महीने के विलंबकालऔर 3 महीने की लागूकरण की अवधि के 5 साल बाद

2. माइक्रोक्रेडिट फाइनेंस (MCF)

राज्य चैनलाइजिंग एजेंसियों (SCA) के माध्यम से टार्गेट ग्रुप्स के लिये रु. 6 लाख तक के प्रोजेक्ट्स के लिए लोन दिये जाते हैं, जो 10 कर्जदारों के समूह के लिए रु. 60,000/- प्रति कर्जदार के साथ-साथ व्यक्तिगत आधार पर रु. 60,000/- तक सीमित होते हैं।

NSKFDC से प्रति प्रोजेक्ट/यूनिट लोन की राशि	इनसे लिया जाने वाला ब्याज	
	SCA	लाभार्थी
10 सदस्यों के समूह के लिए रु. 6 लाख तक और रु. 60,000 प्रति लाभार्थी/यूनिट	2% वार्षिक	5% वार्षिक

MCF योजना के तहत आने वाले लाभार्थियों से प्रमोटर के योगदान की मांग नहीं की जाती है

NSKFDC से मिलने वाला लोन यूनिट लागत का अधिकतम 90% तक हो सकता है और शेष 10% राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों द्वारालोन, सब्सिडी और अन्य सभी उपलब्ध स्रोतों के रूप में दिया जाता है।

पुनर्भुगतान की अवधि

लोन मिलने की तिथी से 6 महीने के विलंबकालऔर 4 महीने की लागूकरण की अवधिके 3 साल बाद

3. महिला समृद्धि योजना (MSY)

इस योजना के तहत सफाई कर्मचारियों और कचरा बीनने वालों और उन पर निर्भर लोगों को लोन दिया जाता है, जिसमें छोटे और फुटकर व्यापार/बिजनेस और थोड़ी-बहुत आमदनी पैदा करने वाले कामों के लिए प्रोजेक्ट की अधिकतम लागत ₹60000 तक होती है।

NSKFDC से प्रति प्रोजेक्ट/यूनिट लोन की राशि	इनसे लिया जाने वाला ब्याज	
	SCA	लाभार्थी
रु. 60,000 प्रति लाभार्थी/यूनिट तक	2% वार्षिक	4% वार्षिक

MSY योजना के तहत लाभार्थियों से प्रमोटर के योगदान पर जोर नहीं दिया जाता है

NSKFDC से मिलने वाला लोन यूनिट लागत का अधिकतम 90% तक हो सकता है और शेष 10% राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों द्वारा लोन, सब्सिडी और अन्य सभी उपलब्ध स्रोतों के रूप में दिया जाता है।

पुनर्भुगतान की अवधि:

लोन मिलने की तारीख से 6 महीने के विलंबकाल और 4 महीने की लागूकरण की अवधिके 3 साल बादलोन, सब्सिडी और अन्य सभी उपलब्ध स्रोतों के रूप में दिया जाता है।

पुनर्भुगतान की अवधि:

लोन मिलने की तारीख से 6 महीने के विलंबकालऔर 4 महीने की लागूकरण की अवधिके 3 साल बाद

4. महिला अधिकारिता योजना (MAY)

छोटे और फुटकर व्यापार/व्यवसाय और थोड़ी-बहुत आमदनी पैदा करने वाले कामों के लिए महिला अधिकारिता योजना के तहत SCAs को रु. 75000/- तक के प्रोजेक्ट्स के लिए टर्मलोन की सहायता दी जाती है, और इसे सफाई कर्मचारी और कचरा बीनने वाली महिलाओं व उन पर आश्रित बेटियों को दिया जाता है।

NSKFDC से प्रति प्रोजेक्ट/यूनिट लोन की राशि	इनसे लिया जाने वाला ब्याज	
	SCA	लाभार्थी
रु. 1,00,000 प्रति लाभार्थी/यूनिटतक	2% वार्षिक	5% वार्षिक

MAY के तहत लाभार्थियों से प्रमोटर के योगदान पर जोर नहीं दिया जाता है

योजना

NSKFDC से मिलने वाला लोन यूनिट लागत का अधिकतम 90% तक हो सकता है और शेष 10% राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों द्वारा लोन, सब्सिडी और अन्य सभी उपलब्ध स्रोतों के रूप में दिया जाता है।

पुनर्भुगतान की अवधि

लोन मिलने की तारीख से 6 महीने के विलंबकालऔर 4 महीने की लागूकरण की अवधिके 5 साल बाद

5. शिक्षा लोन

शिक्षा लोन सफाई कर्मचारियों / कचरा बीनने वालों के आश्रितों के छात्रों के लिए दिया जाता है, ताकि वे व्यावसायिक या तकनीकी शिक्षा, और साथ ही इंजीनियरिंग, चिकित्सा, प्रबंधन, कानून, फिजियोथेरेपी, पैथोलॉजी, नर्सिंग वगैरह में उच्च शिक्षा ,होटल प्रबंधन और पर्यटन तथा पराचिकित्सा देखभाल में डिप्लोमा तथा स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर शैक्षणिक पाठ्यक्रम, जैसे बैचलर ऑफ एजुकेशन, पीएचडी, भाषा पाठ्यक्रम, बीसीए, एमसीए, डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन आदि पा सकें।

NSKFDC से प्रति प्रोजेक्ट/यूनिट लोन की राशि	इनसे लिया जाने वाला ब्याज	
	SCA	लाभार्थी
शिक्षा पर कुल खर्च का 90%	1% वार्षिक	4% वार्षिक और महिला उम्मीदवारों के लिए 0.5% छूट

शेष 10% हिस्सा छात्र / SCA द्वारा वहन किया जाता है।

पुनर्भुगतान की अवधि

6 महीने के विलंबकाल के साथ कोर्स की समाप्ति के 5 साल बाद

6. स्वच्छता उद्यमी योजना

इस योजना के तहत टार्गेट ग्रुप्स को सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में 'पे एंड यूज़' सामुदायिक शौचालयों के निर्माण, संचालन और रखरखाव लक्ष्य के लिए अधिकतम 25 लाख रु. दिया जाता है। स्वच्छता से संबंधित वाहनों की खरीद और संचालन के लिए अधिकतम 25 लाख रु. तक की रकम टर्म लोन के रूप में दी जाती है।

ब्याज दर 4% प्रति वर्ष है (महिला लाभार्थियों के लिए 1% छूट और समय पर पुनर्भुगतान के लिए 0.5% छूटके साथ)

पुनर्भुगतानकी अवधि

10 साल तक

इसके अलावा, 'प्रोहिबिशन ऑफ एंप्लॉयमेंटएज़ मैनुअल स्केवेंजर्स एंड देयर रीहैबीलिटेशन एक्ट, 2013' के अनुसार मैनुअल स्केवेंजर्स के पुनर्वास के लिए स्व रोजगार योजना (SRMS) के तहत आने वाले मैनुअल स्केवेंजर्स के लिए रु. 3.25 लाख की सब्सिडी भी उपलब्ध है।

7. स्वच्छता मार्ट योजना

इसके अलावा, मैनुअलस्कैवेंजर्स (SLRM) के पुनर्वास के लिए स्व रोजगार योजना के तहत मैनुअल स्कैवेंजर्स के मामले में "स्कैब के रूप में रोजगार का निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013" के अनुसार रु. 25.2 लाख की सब्सिडी भी उपलब्ध है।

उद्देश्य	योजना के तहत, सैनिटरी मार्ट की स्थापना के लिए मुक्तमैनुअल स्कैवेंजर्स/सफाई कर्मचारी और उनके आश्रितों को - चाहे वे व्यक्तिगत लाभार्थी हों या स्वयं सहायता समूह - वित्तीय सहायता दी जाएगी।
लोन का भाग	कुल लागत का 90% लोन अधिकतम रुपये 15 लाखतक
प्रमोटर का योगदान	एक सेनेटरीमार्ट की कुल लागत का 10% लाभार्थियों द्वारा लाया जाएगा
ब्याज	लाभार्थियों द्वारा दिया ब्याज ब्याज 4% प्रति वर्ष से अधिक नहीं होगा। (महिला लाभार्थियों के लिए 1% और समय पर पुनर्भुगतान के लिए 0.50% छूट)
पुनर्भुगतान	NSKFDC से लिए गए लोन को तिमाही किश्तों में 10 वर्ष तक चुकाना होगा

8. ग्रीन बिजनेस स्कीम

जलवायु परिवर्तन, जो दुनिया के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन गया है, अनियंत्रित प्रदूषण का परिणाम है। मनुष्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने की दृष्टि से, प्रदूषण स्तर को नीचे लाना ज़रूरी है, जिसके लिए ऐसी व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देना ज़रूरी है जो जलवायु परिवर्तन से निपट सकें और पैसा कमाने में भी मदद करें।

उद्देश्य	आमदनी के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन से निपटने वाली गतिविधियों के लिए लोन के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करना। आमदनी पैदा करने वाली गतिविधियाँ जो ग्रीन हाउस प्रभाव को कम कर सकती हैं या जिन्हें अनुकूलन पहल के तहत बांटा जा सकता है, योजना के तहत उन्हें कवर किया जाएगा।
कौन लोग इसे ले सकते हैं	सफाई कर्मचारी, कचरा बीनने वाले और उनके आश्रित

सूचक स्कीमें	इलेक्ट्रिक वाहन (ई-रिक्शा), कंप्रेसएयर वाहन, सौर ऊर्जा गैजेट, पॉली हाउस
लोन का भाग	अधिकतम 2 लाख की सीमा के साथ यूनिट लागत का 90%। हालांकि, लोन की मात्रा को सब्सिडी की राशि की सीमा तक घटाया जा सकता है, यदि कोई उपलब्ध हो।

लोन के लिए कहां जाएं

NSKFDC के लिए प्रत्येक राज्य में चैनलाइजिंग एजेंसियों से संपर्क करें। सूची यहां उपलब्ध है: https://nskfdc.nic.in/en/content/home/list-channelizing-agencies

सार पेश करें

प्रगति दीदी कहती हैं, **हमें सफ़ाई कर्मचारियों के लिए कम ब्याज दर पर लोन के लिए बनायी गयी सरकारी योजनाओं का फायदा उठाना चाहिए**।

मॉड्यूलको खत्म करें

जीवन में समझदारी भरे फैसले लेकर उनसे फायदा उठाने के लिए प्रगति दीदी की पांच रणनीतियाँ:

1. **अपने आप को विभिन्न सरकारी योजनाओं से अवगत रखें**
2. **सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं**
3. **सभी के लिए बेहतर जीवनशैली**
4. **सरकारी योजनाओं से कम ब्याज दर पर लोन प्राप्त करें**
5. **सफाई कर्मचारियों के लिए कम ब्याज दरों पर लोन**

अगला →

मॉड्यूल 4: रुपए के मामले में स्मार्ट बनना

4 रुपए के मामले में स्मार्ट बनना

समय

1.5 घंटे

प्रस्तावित बैच संख्या

30

सामग्री

FLM पैनल
ट्रांसपेरेंसी मार्कर
मास्किंग टेप
फ्लिप चार्ट पेपर

उद्देश्य

इस सत्र के अंत तक भाग लेने वालों को यह सब समझने में समर्थ होना चाहिए:

- **उधारी का अच्छा इतिहास बनाए रखने के फायदे**
- **अपने पर्सनलरिकॉर्ड बनाए रखने का महत्व**
- **डिजिटल फाइनेंस की समझ**
- **भीम के उपयोग को समझना**
- **इंटरनेट सुरक्षा का महत्व**

चरण

1. **सत्र का परिचय** 112
2. **उधारी का अच्छा इतिहास बनाए रखना** 116
3. **डिजिटल फाइनेंस** 118
4. **भीम और इंटरनेट सुरक्षा** 122
5. **प्रगति दीदी के नुस्खों को दोहराना** 128

चरण 1 सत्र का परिचय

15 मि.

बातचीत

वित्तीय साक्षरता के इस सत्र में एक बार फिर से आपका स्वागत है। उनसे सवाल पूछें और हाथ खड़ा करके जवाब देने को कहें:

- **बैंक ये निर्णय कैसे करता है कि आपको लोन दिया जाए या नहीं?**
- **आप में से कितने लोगों के पास इंटरनेट वाले मोबाइल फोन हैं?**
- **क्या आप जानते हैं KYC क्या होता है?**
- **आप में से कितने लोग जानते हैं कि डिजिटल पैसे का उपयोग कैसे किया जाता है या बिना पैसों के 'लेन-देन' कैसे किया जाता है?**
- **क्या आपके पास भीम/यूपीआई है?**

वित्तीय साक्षरता ट्रेनिंग मॉड्यूल में भाग लेने के बाद आप यह सीख जाएंगे पैसे को स्मार्ट तरीके से कैसे संभाला जाए। हम यह भी सीखेंगे कि बैंकों के साथ एक अच्छी क्रेडिट हिस्ट्री कैसे बना कर रखी जाए। हम यह भी देखेंगे कि आप अपने पर्सनल रिकॉर्ड कैसे बनाकर रखें। हम डिजिटल फाइनेंस और भीम जैसी एप्स के द्वारा बिना पैसे के लेनदेन कैसे किया जाए, इसके बारे में भी सीखेंगे।

आज हम मॉड्यूल 4 को कवर करेंगे, जिसके लिए आज के सैशन की अवधि होगी डेढ़ घंटे। आज मैं आपको पैसे को स्मार्ट ढंग से संभालने के प्रगति दीदी के नुस्खे बताऊंगी -टेक्नोलॉजी को उपयोग करने के आसान तरीकों के द्वारा, जो आसानी से सबके लिए उपलब्ध हैं। लेकिन आपको धैर्य रखना होगा।

आप में से कितने लोग ये नुस्खे जानना चाहते हैं? (हाथ उठाने को कहें)

तो, हम शुरू करते हैं।

व्यक्तिगत रिकॉर्ड

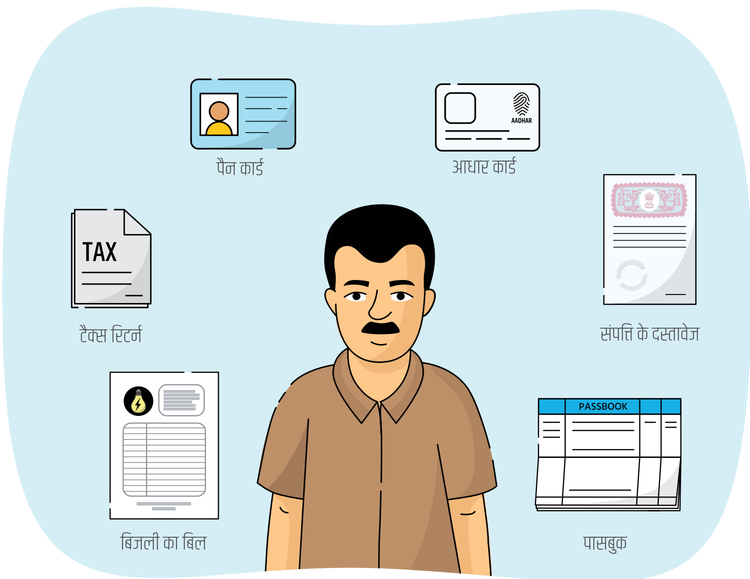

धोखाधड़ी से बचें

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण का लाभ पाएँ

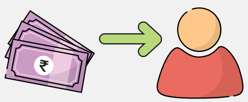

मोबाइल पर नियमित अपडेट प्राप्त करें

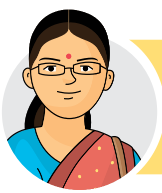

अपनी सुरक्षा और लाभ के लिए व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनाए रखें

29

पर्सनल रिकॉर्ड

बताएं

पर्सनल रिकॉर्ड क्या होता है?

इस तरह के बहुत से व्यक्तिगत कागजात होते हैं जिनमें हमारे बारे में जानकारी दी गई होती है और जो हमारे होने की पहचान होते हैं। इस तरह की जानकारी बिजनेस को चलाने में भी काम आती है। ऐसे कुछ रिकॉर्ड जिन्हें आप को अच्छी तरह संभाल कर रखना चाहिए वे हैं: पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, बैंक पासबुक, बिजली के बिल, राशन कार्ड और इनकम टैक्स रिटर्न। इन रिकॉर्डों की आर्थिक और कानूनी महत्व होता है। बैंकों की भाषा में ये पर्सनल कागजात 'KYC' यानी केवाईसी कागजातों के नाम से भी जाने जाते हैं, क्योंकि ये बैंकों को अपने ग्राहकों की ठीक से पहचान करने और उन्हें जानने में मदद करते हैं।

यह बहुत ही जरूरी है कि आपके इन रिकॉर्डों में, इनके बनाए जाते समय आपका नाम, पता और फोन नंबर बिल्कुल ठीक-ठीक भरा गया हो। स्पेलिंग या किसी भी जानकारी में मामूली सा भी अंतर बाद में बड़ी परेशानियां पैदा कर सकता है। यह कागजात बैंक खाता खोलने, बैंक लोन लेने, सरकारी लाभ पाने, स्कूल में दाखिले, नौकरी ईतयादी के समय पर काम आते हैं।

कोशिश करें कि आप अपना फोन नंबर बार-बार बदलें नहीं। बहुत सी सरकारी योजनाओं के फायदे आपके बैंक खाते में डायरेक्ट ट्रांसफर के द्वारा सीधे भेजे जाते हैं और लाभार्थी को इनका SMS भी भेजा जाता है। यदि आप बार-बार अपना नंबर मोबाइल नंबर बदलते रहेंगे और यदि बैंक के पास इसकी जानकारी नहीं होगी, तो आप यह सारे मैसेज और दूसरी जानकारी प्राप्त नहीं कर पाएंगे।

अपनी पहचान के ये रिकार्ड किसी भी व्यक्ति को न दें, जब तक कि आप इस बारे में अच्छी तरह सुनिश्चित नहीं कि वह इनका दुरुपयोग नहीं करेगा। दूसरे लोगों का KYC लेकर उससे बहुत तरह के धोखाधड़ी और फ्रॉड किए जा सकते हैं। बैंक का कोई भी सौदा करते वक्त अपने मोबाइल पर आए OTP को कभी भी किसी को न बताएंये छोटी-छोटी सावधानियां आपको कई तरह की धोखाधड़ी से बचा सकती हैं।

☞ अपने सुरक्षा और फायदे के लिए **'अपने सारे पर्सनल रिकॉर्ड संभाल कर रखें'** पैनल दिखाएं।

चरण 2 अच्छी क्रेडिट हिस्ट्री बनाकर रखें

10 मि.

बातचीत

आप में से कितने लोगों ने कभी बैंक से लोन लिया है?

क्या आपको यह लोन लेते वक्त कोई परेशानी आई?

फ्लिप चार्ट पर उनकी लिस्ट बनाएं

बताएं

उन्हें बताएं कि बैंक या वित्तीय संस्थाओं से लिए गए सभी लोन क्रेडिट ब्यूरो के नाम से जानने जाने वाली केंद्रीय नोडल एजेंसियों में नोट किए जाते हैं। भारत में 4 बड़े क्रेडिट ब्यूरो हैं (सीआईबीआईएल, हाईमार्क, इक्विफैक्स, एक्सपीरियन)।

उन्हें बताएं: जब भी कोई व्यक्ति सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से (क्रेडिट कार्ड द्वारा) लोन लेता है, तो यह लोन पहचान के अलग-अलग दस्तावेजों के माध्यम से रजिस्टर किया जाता है (जैसे पैनकार्ड आधारकार्ड राशन कार्ड नंबर ड्राइविंग लाइसेंस का नंबर वोटर आईडी नंबर ईत्यादि) और सभी बैंक आपकी क्रेडिट हिस्ट्री को देख सकते हैं।

लोन को चुकाने के सारे लेन-देन रिकॉर्ड किए जाते हैं और आपके लोन चुकाने की हिस्ट्रीके आधार पर आपको एक क्रेडिट स्कोर दिया जाता है।

अगर आपने कभी कोई लोन लिया और उसे चुकाया नहीं, तो ब्यूरोआपकी क्रेडिटहिस्ट्री में इस बात को रिकॉर्ड कर लेता है।दिवालियों की लिस्ट समय-समय पर अपडेट की जाती है और सारी वित्तीय संस्थाओं और बैंकों के पास भेजी जाती है। इसलिए, यदि आपने खुद को दिवालिया घोषित करके लोन नहीं चुकाया है, तो आपको भविष्य में किसी भी बैंक या वित्तीय संस्था से कभी भी कोई लोन नहीं मिलेगा।

पैनल 30 **'अच्छा क्रेडिटरिकॉर्ड बनाकर रखें'** दिखाएं

यदि आप अपने लोन सही समय पर चुकाते आए हैं तो आपकेट्रैक रिकॉर्ड को चेक किया जाएगा और आपको एक अच्छा क्रेडिटस्कोर दिया जाएगा। यदि आप का क्रेडिट स्कोर अच्छा है तो अगली बार लोन लेते वक्तआपको पहले से बड़ी रकम का लोन भी बड़ी ही आसानी से मिल सकता है।

डिजिटल फाईनेन्स

मोबाइल द्वारा भुगतान करना

पैसा निकालने के लिए एटीएम का उपयोग करना

इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करना

पी.ओ.एस मशीन द्वारा भुगतान करना

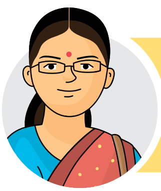

नई तकनीक के साथ बैंकिंग को सरल बनाएँ

31

चरण 3 डिजिटल फाइनेंस

10 मि.

बातचीत

आप में से कितने लोगों के पास इंटरनेट वाले मोबाइल फोन है?

आप इंटरनेट का उपयोग किस लिए करते हैं?

फ्लिप चार्ट पर उनके दिए गए उत्तर की लिस्ट बनाएं

आप में से कितने लोगों के पास बैंक खाते हैं?

आप में से कितने लोग ATM के बारे में जानते हैं? क्या आप कभी ATM गए हैं?

बताएं

उन्हें बताएं कि कोई भी व्यक्ति जिसका बैंक खाता हो वह ATM (ऑटोमेटेड टैलर मशीन) मशीन से पैसे निकाल सकता है, जो जगह जगह पर लगी होती हैं।

उन्हें ATM को सरल तरीके से समझाएं, ताकि यदि उन्होंने बैंक में पैसा जमा किया हुआ है और उन्हें जल्दी इसकी जरूरत है, तो वे बैंक जाने के बजाए बैंक द्वारा उन्हें दिए गए ATM डेबिट कार्ड से दिन के किसी भी समय पैसा निकाल सकें।

ATM की मशीन आपके बैंक खाते में मौजूद राशि के अनुसार ATM डेबिट कार्ड के उपयोग से इंटरनेट तकनीक की मदद से पैसा निकाल कर देती है।

ATM डेबिट कार्ड क्या होता है?

यह एक कार्ड है जो बैंक अपने खाता धारकों को देता है। इस कार्ड से आप विभिन्न जगहों पर बने ATM से पैसा निकाल सकते हैं।

ATM मशीन में कार्ड को डालें। यह कार्ड पर बनी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पट्टी या चिप पर दी गई जानकारी को अपने आप पढ़ लेगी। फिर, आपको जितने रुपए निकालने हैं, उस रकम को चुनें और यदि आप के खाते में उतना बैलेंस मौजूद है, तो आपके मशीन में पिन नंबर डालें जिसके बाद मशीन से उतना रुपया बाहर आ जाएगा।

ATM पिन क्या है?
पिन (पर्सनलआईडेंटिफिकेशन नंबर) वह कोड है, जिसे आपको कभी किसी को नहीं बताना है। पहली बार बैंक इसे एक OTP के द्वारा आपको भेजता है और आपको इसे जारी करने वाले बैंक के किसी भी ATM पर जाकर इसे दोबारा सेट करना होता है। उदाहरण के लिए, जैसे आजकल हर कोई अपने फोन को पासवर्ड से लॉक करके रखता है, ठीक उसी तरह यह अपने ATM डेबिट कार्ड से ATM मशीन को यूज़ करने के लिए आपका पासवर्ड है।

यदि आपका ATM डेबिट कार्ड खो जाता है या चोरी हो जाता है, तो आपके बैंक खाते में मौजूद रकम तब तक सुरक्षित है, जब तक आप इस का पिन नंबर किसी को नहीं बताते। इस तकनीक का फायदा यह है कि बिना सही पिन नंबर के कार्ड का उपयोग नहीं किया जा सकता।

इसलिए हर किसी के लिए यह बहुत ही ज्यादा जरूरी है कि वह कभी भी अपना पिन नंबर किसी को न बताए और अपने बैंक खाते के दुरुपयोग या कोई भी धोखाधड़ी होने से बचें। किसी भी हालत में, किसी को भी अपना ATM नहीं बताने की बात पर जोर दें।

बातचीत

आप में से कितने लोग डिजिटल फाइनेंस के बारे में जानते हैं?

यदि हां, तो आप में से कितने लोग ऑनलाइन सौदों के लिए फोन का उपयोग करते हैं?

बताएं

उन्हें बताएं, डिजिटल फाइनेंस का मतलब है - जब रुपए-पैसे का कोई लेनदेन बिना कैशलिए दिए किया जाता है, तो उसे डिजिटल सौदा कहते हैं। तकनीक की उन्नति के साथ, बिना कैश के पेमेंट करने के कई तरीके विकसित हो चुके हैं। आपको रुपए पैसे के लेनदेन के लिए साथ में कैश लेकर चलने की कोई जरूरत नहीं है।

'डिजिटल फाइनेंस' पैनल दिखाएं और डिजिटल फाइनेंस को उपयोग करने के तीन अलग अलग तरीके दिखाएं।

हर एक को विस्तार से समझाएं।

डेबिट कम ATM कार्ड
यह बैंकों द्वारा अपने सभी खाताधारकों के लिए जारी किया जाता है। इस कार्ड को पैसा निकालने के लिए ATM पर उपयोग किया जा सकता है, साथ ही ऐसे सभी व्यापारियों को भुगतान करने के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकता है, जिनके पास स्वाइप कार्ड मशीन हो।

तकनीक जीवन को बहुत आसान बना देती है। पैसा निकालने या ट्रांसफर करने के लिए,लंबी लाइनों में लगकर इंतजार करने की बजाय, हम सिर्फ एक बटन दबाकर अपने बैंक खाते तक पहुँच सकते हैं और यह काम घर बैठे आसानी से कर सकते हैं। ऐसी बहुत सी ऐपहैं, जिनके द्वारा आप अपने मोबाइल से पैसा ट्रांसफर कर सकते हैं।

बैंकों की 'इंटरनेट बैंकिंग' की वेबसाइटों और स्मार्ट फोनों की एप्स से भी पेमेंट की जा सकती है। देश के सभी बड़े बैंकों नेपैसे के लेनदेन के लिए स्मार्ट फोन यूज़ करने वालों के लिए अपने एप्स बनाए हुए हैं।

पेमेंट की एप्स

स्मार्टफोन उपयोग करने वालों के लिए डिजिटल पेमेंट करने की बहुत सी ऐप मौजूद हैं। उपभोगता को अपने डेबिट/ATM कार्ड का उपयोग करते हुए अपने बैंक खाते को एप से लिंक करना होता है और फिर आप इससे डिजिटल तरीके से पैसा इधर से उधर ट्रांसफर कर सकते हैं। इनमें से बहुत सी एप्स का अपना बटुआ भी होता है, जिसमें यूज़र अपने बैंक खाते से इन डिजिटल बटुओं में पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं और फिर इन डिजिटल बटुओं से दूसरे कई तरह के कामों के लिए पैसा आगे ट्रांसफर किया जा सकता है। जैसे बिलों का भुगतान, राशन या अन्य घरेलू सामान, ढाबे, फिल्म, शॉपिंग, अस्पताल दवाइयों, पेट्रोलपंप आदि के भुगतान। ऐसी कुछ एप्स हैं: भीम यूपीआई, पेटीएम, पेयूमनी, फोनपे, फ्रीचार्ज, मोबिक्विक, सिट्रस, एचडीएफसी, ची11r आदि।

इंटरनेट बैंकिंग के द्वारा पैसा ट्रांसफर किया जा सकता है और बिल चुकाए जा सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि बैंक से अपना इंटरनेट बैंकिंग का यूज़र आईडी और पासवर्ड जरूर ले लें।

व्यापारिक सौदों के लिए पीओएस मशीन का उपयोग किया जा सकता है। अगर आप कोई चीज बेचने का व्यापार करते हैं, तो पीओएस मशीन को यूज़ करने की कोशिश करें। इससे आप बिना कैश के अपने सारे भुगतान कर पाएंगे और आपके पास सारे बिलों के रिकॉर्ड भी रहेंगे। आप की सारी बिक्री का रिकॉर्ड इसमें मौजूद होने के कारण आपको बैंक से लोन लेने में भी मदद मिलेगी।

सार पेश करें

प्रगति दीदी कहती हैं: **तकनीक से बैंकिंग को आसान बनाएं**।

चरण 4 भीम और डिजिटल सुरक्षा

15 मि.

बातचीत

क्या आप भीम के बारे में जानते हैं? आप में से कितने लोग भीम का उपयोग करते हैं?

बताएं

भारत इंटरफ़ेस फॉर मनी (BHIM) पेमेंट करने की एक ऐप है, जिससे आप सरलता और तीव्रता भुगतान भुगतान कर सकते हैं। भीम एप के द्वारा आप यूपीआई पर मौजूद किसी भी व्यक्ति को उसके यूपीआई आईडी से या भीम ऐप से उसका QR कोड स्कैन करके सीधे बैंक भुगतान कर सकते हैं।

ये एप पूरे देश के इस काम में शामिल करने और डिजिटल तरीके से समाज को मजबूत बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा विकसित की गई है।

पैनल 32 **'भीम और डिजिटल सुरक्षा'** दिखाएं। उन लेन-देन के बारे में समझाएं जिन्हें भीम के उपयोग से किया जा सकता है:

पैसा भेजें
इसके द्वारा यूज़र वर्चुअल पेमेंट ऐड्रेस (VPA) केई द्वारा, या फिर खाता नंबर और आईएफएससी कोड द्वारा, या फिर सिर्फ एक QR कोड को स्कैन करने के द्वारा पैसा एक जगह से दूसरी जगह भेज सकते हैं।

स्कैन करें और भुगतान करें
ग्राहक 'स्कैन करें और भुगतान करें' के माध्यम से QR कोड को स्कैन करके और ऐप में QR कोड उत्पन्न करके भुगतान कर सकते हैं।

पैसा मांगें
इस फीचर से आप वर्चुअल पेमेंट ऐड्रेस दर्ज करके किसी से अपना पैसा भेजने की रिक्वेस्ट कर सकते हैं। साथ ही, भीम एप से आप अपने मोबाइल द्वारा भी पैसा ट्रांसफर कर सकते हैं, अगर इसे भीम या *99# पर रजिस्टर किया गया है। साथ ही, यह अनिवार्य है कि ग्राहक का मोबाइल नंबर उसके बैंक खाते से जोड़ा गया हो।

प्रोफाइल

प्रोफाइल का ऑप्शन उपयोगकर्ताओं को उत्पन्न किए गए QR कोड और पेमेंट का पता देखने में मदद करता है। QR कोड को डाउनलोड किया जा सकता है और व्हाट्सएप, ई-मेल आदि जैसी संदेश भेजने वाली एप्स के द्वारा शेयर भी किया जा सकता है।

लेनदेन की हिस्ट्री

इस ऑप्शन से यूज़र लेनदेन के पूरे रिकॉर्ड को चेक कर सकते हैं। यह पेंडिंग पड़ी यूपीआई कलेक्ट रिक्वेस्ट को भी दिखाता है (अगर कोई हों,तो), यदि यूज़र भुगतान के लिए आई इन रिक्वेस्ट्स को अप्रूव या रिजेक्ट कर सके। यदि आपको लेन-देन से संबंधित कोई शिकायत करनी है तो उसके लिए आप 'समस्या की रिपोर्ट करें' बटन का उपयोग कर सकते हैं।

बैंक खाता

इस ऑप्शन के उपयोग से, ग्राहक पिन के स्टेटस के साथ, उस बैंक खाते को चेक कर सकता है, जिसे भीम एप से जोड़ा गया है। मेन्यू में दिए गए 'खाता बदलें' बटन के द्वारा ग्राहक यूपीआई पिन और भीम एप से लिंक किए गए बैंक खाते को सेट कर सकते हैं या बदल सकते हैं। इस से वे अपने खाते का बैलेंस भी चेक कर सकते हैं।(आप इंटरनेट से एनपीसीआई भीम एप का वीडियो डाउनलोड करके भाग लेने वालों को इसे दिखा सकते हैं। लिंक: bit. ly/2ulGgFJ)

इस बात पर खास जोर दें कि भीम अपनी तरह की अकेली एप है, जिसे बिना इंटरनेट के भी उपयोग किया जा सकता है।

यदि आपके पास स्मार्टफोन नहीं है या इंटरनेट की सुविधा नहीं है तो भी आप किसी भी फोन से *99# डायल करके भीम ऐप की सारी सुविधाएं अपने फोन पर पा सकते हैं -इसके लिए फोन का स्मार्ट फोन होना या इंटरनेट का उपयोग किया जाना ज़रूरी नहीं है। इस एप का उपयोग करने के लिए एप को डाउनलोड करना जरूरी नहीं है।

भीम के उपयोगकर्ताओं को, एप के द्वारा पैसा ट्रांसफर करने के 10 सफल सौदे करने पर कुछ कैश बैक भी मिलता है।

सार पेश करें

प्रगति दीदी कहती हैं **पैसों के लेन-देन और सार संभाल के लिए भीम सबसे आसान तरीका है**।

बताएं

डिजिटल फाइनेंस को उपयोग करते हुए हमें इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि हम अपने पासवर्ड को सुरक्षित रखें ताकि कोई हमारे खाते का गलत उपयोग न कर सके।

आजकल जब देश के अधिकतर बैंक इंटरनेट बैंकिंग सुविधा देते हैं जो एक ऐसी सुविधा है जिसमें आप बिना बैंक की शाखा में जाए 24x7 कभी भी पैसे का लेन देन कर सकते हैं, ऐसे में सौदों को आसान बनाने के लिए बैंकिंग की इस तकनीक का इस्तेमाल करके हर व्यक्ति खुद को मजबूत बना सकता है।

इंटरनेट बैंकिंग में दो बातें ध्यान रखना बहुत जरूरी है:

यूज़र आईडी

यूज़र आईडी बैंक द्वारा दी जाती है और यह बहुत जरूरी है कि आप इसे किसी भी दूसरे व्यक्ति को न बताएं। यदि आप अपनी यूज़र आईडी भूल जाते हैं, तो अपने पहचान पत्र या आईडी कार्ड के साथ अपनी नजदीकी बैंक शाखा में जाएं और इसे दोबारा प्राप्त करें। आमतौर पर बैंक 24 घंटे से 15 दिनों के बीच इसे दोबारा जारी कर देते हैं।

पासवर्ड

इंटरनेट बैंकिंग के लिए पासवर्ड बहुत ही महत्वपूर्ण है और इसे पूरी सुरक्षा के साथ संभाल कर रखा जाना चाहिए। कभी भी, भूल कर भी इसे किसी दूसरे व्यक्ति को न बताएं। आमतौर पर रुपए पैसे से संबंधित सारी 'धोखाधड़ी' इसी कारण होती है, जब उपयोगकर्ता फोन पर या एसएमएस अथवा व्हाट्सएप मैसेज के द्वारा अपने पासवर्ड को किसी बाहर वाले व्यक्ति को बता देते हैं ।

यदि आप अपना पासवर्ड भूल गए हैं, तो अपने बैंक में फोन करें और फोन बैंकिंग विभाग वालों से बात करके इसे दोबारा सेट करें या फिर अपनी नजदीकी बैंक शाखा में जाएं, अपनी पहचान साबित करें और नए पासवर्ड की औपचारिकताएं पूरी करें।

इस बात पर जोर दें कि यदि आपके पास कोई फोन आता है, जो आपके बैंक का विवरण या पासवर्ड मांगता है और कहता है कि वे बैंक से बोल रहे हैं, तो कभी भी उन्हें अपना कोई भी विवरण न बताएं।

कोई भी बैंक कभी भी आपके खाते या आपके पासवर्ड के बारे में पूछने के लिए आपको कभी कॉल या मैसेज नहीं करता।

सार पेश करें

प्रगति दीदी की सलाह है कि **नई तकनीकों के साथ बैंक के कामकाज को आसान बनाएं** ।

मॉड्यूल को खत्म करें

पैसे को स्मार्ट तरीके से संभालने के लिए प्रगति दीदी की रणनीति

1. अपनी सुरक्षा और फायदे के लिए पर्सनलरिकॉर्ड बनाकर रखें
2. अपना क्रेडिटरिकॉर्ड अच्छा बनाए रखें
3. तकनीक के साथ बैंक के कामकाज को आसान बनाएं
4. पैसे के लेन-देन के लिए सबसे आसान तरीका है - भीम

अगला →
चरण 5: प्रगति दीदी के नुस्खों को दोहराना

आर्थिक उन्नति के नुस्खे

01 अनावश्यक खर्च से बचें

02 वित्तीय डायरी बनाए रखें

03 नियमित रूप से बचत करें

04 सुयोग्य निवेश करके पैसा बढ़ाएँ

05 जालसाजी स्कीमों से सावधान रहें

06 सीखें और कमायें

07 एक SHG के सदस्य बनें और पंचसूत्र का पालन करें

08 कम ब्याज दर पर उधार लें

09 अच्छा क्रेडिट रिकॉर्ड बनाए रखें

10 सरकारी योजनाओं का उचित लाभ उठाएँ

चरण 5 प्रगति दीदी के नुस्खों को दोहराना

40 मि.

बातचीत

इस आखिरी सेशन मॉड्यूल: 4 को प्रगति दीदी द्वारा बताए गए सभी नुस्खों को दोहराने के साथ खत्म करें

प्रोग्राम समाप्त करें

हमने वित्तीय साक्षरता के चारों मॉड्यूल सीखें और कई जरूरी बातें सीखी।

इनमें अपनी आर्थिक भलाई के लिए प्रगति दीदी के 10 नुस्खे शामिल हैं:

- अनावश्यक खर्चों से बचें
- एक वित्तीय डायरी बनाकर रखें
- नियमित रूप से बचत करें
- अपने पैसे को आगे बढ़ाएं
- फर्जी योजनाओं से सावधान रहें
- सीखे और कमायें
- एसएचजी में शामिल हो और पंचसूत्र का पालन करें
- नीची ब्याज दरों पर लोन लें
- अच्छा रिकॉर्ड बनाए रखें
- सरकारी सुविधाओं से फायदा उठाएं

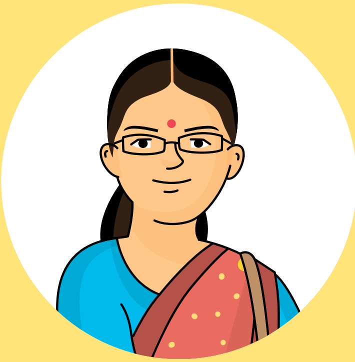

9 788193 590225

अर्बनमैनेजमेंट सेंटर अहमदाबाद
द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया
www.umcasia.org

DAY-NULM